डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 141 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार, 29 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास आयरन लेडी इंदिरा गांधी की बराबरी करने का मौका

-1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध में पाकिस्तान के दो टुकड़े पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कर दिए थे

मुन्ना खान
जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री बनने के बाद यह पहला मौका है जब देश का हर जाति, वर्ग, मजहब का बच्चा--बच्चा मोदी जी के साथ खड़ा है और उत्सुकता से उनकी ओर देख रहा है कि दुश्मन देश पाकिस्तान को किस तरह सबक सिखाएंगे। मोदी पहलगाम में 28 भारतीय नागरिकों के मारे जाने के बाद बिहार की जनसभा में बोल भी चुके हैं कि दुश्मनों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी। पाकिस्तान की ओर से बार-बार भारत में विशेष रूप से जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है। पाकिस्तान कश्मीर के अलगाववादियों को ट्रेनिंग देता है और फंडिंग करता है। पाकिस्तान की हरकतें लगातार भारत के खिलाफ जारी हैं। पाकिस्तान भारत से चार युद्ध हार चुका है, फिर भी पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैलाने से बाज नहीं आ रहा है। पहलगाम में 28 लोगों की हत्या के बाद देश की जनता में आक्रोश बहुत ज्यादा है। देश की जनता मोदी जी पर भरोसा करती है कि मोदी देश के हिम्मत वाले और साहसी प्रधानमंत्री हैं, जो पाकिस्तान को सबक सिखा सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पद पर रहते हुए कई रिकॉर्ड कायम किए हैं। अब उनके पास देश की पूर्व प्रधानमंत्री और आयरन लेडी इंदिरा गांधी का रिकॉर्ड तोड़ने का भी मौका है। 1971 में पाकिस्तान ने भारत पर एक तरफा आक्रमण कर दिया था, उस समय भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थीं। इंदिरा गांधी को देश की निडर और साहसी महिला प्रधानमंत्री माना जाता है। उनकी सूझबूझ का ही नतीजा था कि पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए गए। पाकिस्तान के 93 हज़ार सैनिकों को भारतीय सेना के सामने समर्पण करना पड़ा था। पाकिस्तान से बांग्लादेश (पूर्वी पाकिस्तान) को अलग कर एक नया देश बना दिया गया। इस युद्ध में भारतीय सेना पाकिस्तान के काफी अंदर तक घुस गई थी और कब्जा कर लिया था, बाद में शांति समझौते के तहत पश्चिमी पाकिस्तान के जीते हुए भाग पूर्व प्रधानमंत्री एवं आयरन लेडी इंदिरा गांधी ने वापस कर दिए।

बांग्लादेश बनाने में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का योगदान
भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1971 के बाद भारत-पाकिस्तान युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई जिसके परिणाम स्वरुप पाकिस्तान के दो टुकड़े हुए और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। उनका योगदान निम्नलिखित बिंदुओं में देखा जा सकता है

राजनीतिक नेतृत्व और रणनीति
इंदिरा गांधी ने पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए अत्याचारों और बंगाली आबादी के दमन के खिलाफ मजबूत रुख अपनाया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया और भारत को नैतिक रूप से सही ठहराया।

मुक्ति वाहिनी का समर्थन
इंदिरा गांधी की सरकार ने बंगाली विद्रोहियों (मुक्तिवाहिनी) को सैन्य प्रशिक्षण हथियार और रसद सहायता प्रदान की, जिससे उनकी स्वतंत्रता की लड़ाई मजबूत हुई।

1971 युद्ध में निर्णायक कार्यवाही
जब पाकिस्तान ने 3 दिसंबर 1971 को भारत पर हमला किया, इंदिरा गांधी ने भारतीय सेना को त्वरित और प्रभावी जवाब देने का आदेश दिया। भारतीय सेना ने पूर्वी और पश्चिमी मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन किया और मात्र 13 दिन में पाकिस्तानी सेना ने ढाका में आत्म समर्पण कर दिया।

अंतरराष्ट्रीय दबाव का सामना
इंदिरा गांधी ने अमेरिका और चीन जैसे देशों के दबाव का डटकर मुकाबला किया, जो पाकिस्तान के समर्थक थे। सोवियत संघ के साथ 1971 की मित्रता संधि ने भारत को रणनीतिक लाभ दिलाया।

बांग्लादेश का उदय
युद्ध के बाद 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तानी सेना के 93000 सैनिकों ने आत्म समर्पण किया और पूर्वी पाकिस्तान एक स्वतंत्र राष्ट्र, बांग्लादेश बन गया। यह इंदिरा गांधी की कूटनीतिक और सैन्य रणनीति की बड़ी जीत थी। इंदिरा गांधी की दृढ़ इच्छा शक्ति, राजनैतिक दूरदर्शिता और साहसिक नेतृत्व ने न केवल पाकिस्तान को विभाजित किया बल्कि दक्षिण एशिया में भारत की स्थिति को मजबूत किया।

पहलगाम मामले पर भारत के मुसलमान प्रधानमंत्री मोदी और सरकार के हर कदम के साथ

-देश के अंदर कुछ लोग हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत की राजनीति करके देश की एकता और अखंडता को कमजोर कर रहे हैं

एम. खान
जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। पहलगाम आतंकवादी घटना ने पूरे भारतवर्ष की जनता के दिलों को झकझोर कर रख दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के हर कदम के साथ भारतीय मुसलमान तन,मन एवं धन से तैयार है। यदि सरकार भारतीय मुसलमान को पाकिस्तान के खिलाफ बॉर्डर पर जाने की इजाजत देती है तो मैं समझता हूं कि करोड़ों की संख्या में मुसलमान पाकिस्तान सीमा पर कूच करने में समय नहीं लगाएंगे, क्योंकि देश की एकता और अखंडता सभी नागरिकों के लिए जरूरी है। भारत के मुसलमान दिल से देश को चाहते हैं और देश की खातिर कोई सी भी कुर्बानी देने को तैयार हैं। वैसे भी देश के मुसलमानों का इतिहास कुर्बानियों की कहानियों से भरा पड़ा है। देश में मुसलमानों का बच्चा-बच्चा जानता है कि पाकिस्तान भारत का दुश्मन देश है और मुसलमानों के लिए परेशानी खड़ा करने के अलावा कुछ नहीं कर सकता है। इस्लाम के नाम पर बने पाकिस्तान में मुसलमान अवाम के पास रहने के लिए मकान, पहनने के लिए कपड़े और पेट भरने के लिए राशन नहीं है। पाकिस्तानी अवाम, बेरोजगारी से परेशान है,

जबकि भारतीय मुसलमान चैन से जीवनयापन कर रहा है। यहां हर तरह की स्वतंत्रता है। वैसे भी हजारों मुसलमानों ने देश को स्वतंत्र करवाने में अपनी जान की कुर्बानियां दी हैं और स्वतंत्रता के बाद भी देश के विकास एवं सुरक्षा में बड़ा योगदान दिया है। जब-जब देश के साथ दुश्मन देश का युद्ध हुआ है या फिर कोई दूसरी आपदा सामने आई है तो देश के मुसलमानों ने हमेशा मैदान में उतरकर देश के सभी नागरिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपना योगदान दिया ।

कुछ लोग नफरत फैलाकर पाकिस्तान की भाषा बोलकर देश को कमजोर करना चाहते हैं। देश के कुछ राजनेता, कार्यकर्ता एवं मनचले लोग पाकिस्तान की भाषा बोलकर देश को कमजोर करना चाह रहे हैं।

इनमें से कुछ नेता पाकिस्तान के बॉर्डर पर नहीं जाकर देश के मुसलमानों की इबादतगाह में जबर्दस्ती घुसकर माहौल खराब कर रहे हैं तो कई चलते फिरते मुसलमानों से नाम पूछकर मारपीट करके भारतीय समाज को आपस में लड़ाने के प्रयास कर रहे हैं। जबकि इस नाजुक समय में देश का साथ देना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व को मजबूत करना अपना कर्त्तव्य समझना चाहिए। जिससे प्रधानमंत्री मोदी, सेना के अधिकारियों के साथ मिलकर पाकिस्तान को बड़ा सबक सिखाने का निर्णय ले सकें और कारगर कार्यवाही कर सकें। राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने नफरत फैलाने वाले अपनी पार्टी के नेताओं को अलग-थलग करने एवं सभी धर्म और समाज को एकजुट रहने का आहवान किया है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष की यह अच्छी बात है जिसका सभी प्रदेश्वासियों को स्वागत करना चाहिए।

पोस्टर विवाद पर बालमुकुंद आचार्य ने माफी मांगी, राठौड़ ने सबको साथ रहने का दिया संदेश

- इससे पूर्व भी माफी मांग चुके हैं बाबा बालमुकुंद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में जौहरी बाजार स्थित जामा मस्जिद में शुक्रवार देर रात पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में मस्जिद की सीढ़ियों मे घुस कर तथा आपत्तिजनक नारेबाजी करने और पोस्टर चिपकाने के विवाद को लेकर विधायक बालमुकुंद आचार्य विवादों में फँस गए हैं। इस घटना के बाद विधायक के खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने और सौहार्द बिगाड़ने के आरोप में पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। हालाँकि जामा मस्जिद कमेटी और मुस्लिम समुदाय के वरिष्ठ नेताओं ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि वे एफआईआर पर कानूनी कार्रवाई का इंतजार करेंगे, शाम की नमाज के बाद जौहरी बाजार स्थित मस्जिद के बाहर आक्रोशित युवाओं की भीड़ इकट्ठा हो गई और उन्होंने बाबा बालमुकुंद आचार्य की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने वाले नारे लगाए। पुलिस ने भीड़ को खदेड़ने के लिए हल्का बल प्रयोग किया।

बालमुकुंद आचार्य ने मांगी माफी
जयपुर के हवा महल विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक बने बाबा बालमुकुंद आचार्य 2023 के विधानसभा चुनाव में महज 974 वोटों से जीतकर आए हैं और तब से विवादों में बने रहते हैं। वे हाथोज धाम मंदिर के मुख्य पुजारी भी हैं और नॉन वेज होटल्स, मस्जिदों में लाउडस्पीकर, सरकारी स्कूलों में 'हिजाब' और शहर में बांग्लादेशी तथा रोहिंग्या शरणार्थियों की उपस्थिति के खिलाफ भी बोल चुके हैं।

जामा मस्जिद के मामले में बढ़ते दबाव में आकर बाबा ने सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी की भावनाएँ आहत करना नहीं था और वे फिर से ऐसा नहीं होने देंगे। उन्होंने माफी मांगते हुए एक वीडियो जारी कर कहा कि पोस्टर लगाने से यदि किसी को दुख पहुँचा है तो मैं क्षमाप्रकट करता हूँ। मेरा किसी भी समुदाय या धर्म को आहत करना उद्देश्य नहीं था। इस कठिन समय में हमें एकजुट रहकर आतंकवाद का मुकाबला करना है।

इससे पूर्व भी मांगी मांग चुके हैं बाबा बालमुकुंद
वहीं दिसंबर 2023 में चुनाव जीतने के अगले दिन ही उन्होंने जयपुर के हवा महल इलाके में नॉन वेज की दुकानें बंद कराने पहुँच गए थे। बाद में आलोचना बढ़ने पर आचार्य ने माफी मांगी और बताया कि उन्होंने जोर से बात इसलिए की क्योंकि गले में दर्द था, उनको चिल्लाना नहीं था।

प्रदेशाध्यक्ष ने लगाई फटकार
इस बीच, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बालमुकुंद आचार्य को फोन पर फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि यह समय सबको साथ लेकर चलने का है। पहलगाम आतंकी घटना के बाद राज्य सरकार प्रदेशभर में सबको साथ लेकर चल रही है। ऐसे में विधायक बालमुकुंदचार्य अलग-थलग पड़ गए हैं। राठौड़ ने कहा कि बीजेपी सभी धर्मों और धार्मिक स्थलों का सम्मान करती है और किसी भी धर्म के खिलाफ भेदभाव को स्वीकार नहीं करती, जो लोग जानबूझकर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हमारे साथ कई मुसलमान भाई जुड़े हुए है, जो देशभक्त है, हमें राष्ट्रभक्त मुसलमानों के साथ कोई अन्याय नहीं करना चाहिए। राठौड़ ने कहा कि बालमुकुंदाचार्य ने भी यदि अनजाने में कोई गलती की है तो खेद प्रकट किया है। बालमुकुंदाचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के मामले को लेकर राठौड़ ने कहा कि कानून अपना काम करेगा, कानून की पालना करना सभी की जिम्मेदारी है। राठौड़ ने विधायक से कहा कि यह समय सबको साथ लेकर चलने का है। जिसके बाद बालमुकुंदाचार्य ने आश्वस्त किया कि ऐसा वापस नहीं होगा।

जयपुर में 'संविधान बचाओ' रैली, काँग्रेस का मोदी सरकार पर हमला

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी के रामलीला मैदान में सोमवार 28 अप्रैल को "संविधान व लोकतंत्र बचाओ" रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार व भाजपा पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश के मान–सम्मान पर हमला हो रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह फिकर नहीं—उन्हें तो चुनावी रैलियाँ करने के लिए बिहार जाने की जल्दी रहती है, पर ऑल-पार्टी मीटिंग में शामिल होने दिल्ली आने का समय नहीं मिलता। क्या दिल्ली उनके लिए बहुत दूर है? यह बहुत ही शर्मनाक है। खड़गे ने याद दिलाया कि कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए और सैकड़ों घायल हैं। उनके मुताबिक, सभी राजनीतिक दलों को बुलाकर सरकार ने एक आपसी बैठक रखी थी, जिसमें प्रधानमंत्री शामिल होते तो स्थिति पर उनकी सभी योजना सामने आ जाती। कांग्रेस ने अपनी वर्किंग कमेटी में भी फैसला किया था कि वे संवैधानिक प्रक्रिया के साथ हैं, लेकिन दुर्भाग्यवश मोदी साहब वहाँ नहीं पहुँचे। इससे साफ है कि देश को इस मुश्किल वक्त में असली नेतृत्व नहीं मिल रहा। रैली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोगों से संबोधित करते हुए कहा कि संविधान बचेगा तभी तो तुम बचोगे। उन्होंने कहा हमारे नेता प्रतिपक्ष जब मंदिर में जाते हैं। फिर उसको गंगाजल से साफ कराया जाता है।

एजेंसियों पर दबाव, निष्पक्ष चुनाव पर सवाल: अशोक गहलोत
रैली में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संबोधित करते हुए कहा कि आज संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है। आज देश की सबसे बड़ी जरूरत कांग्रेस का मजबूत होना है। सभी एजेंसियां दबाव में काम कर रही हैं। चुनाव आयोग दबाव में काम कर रहा, ऐसे में कैसे निष्पक्ष चुनाव होंगे। देश के सामने चुनौतियां, देश को मजबूत करने के लिए कांग्रेस की मजबूती जरूरी है।

संविधान बचाने का मुद्दा पूरे देश का है: सचिन पायलट
रैली में पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा कि संविधान बचाने का मुद्दा पूरे देश का है। कांग्रेस पार्टी ने इस मुद्दे को उठाने की जिम्मेदारी उठाई है। लगातार संविधान पर प्रहार हो रहा है। चुनाव आयोग आज बिल्कुल निष्पक्ष नहीं रहा। पहलगाम हमला देश पर प्रहार है। यह कोई जाति या धर्म की लड़ाई नहीं है।सरकार को पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देना होगा। पूरा देश, कांग्रेस और विपक्ष केंद्र के साथ खड़ा है। जयपुर में एक विधायक ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की। राजस्थान में अगले चुनाव में कांग्रेस की सरकार जरूर बनेगी।

कोर्ट के आदेशों की अवहेलना और संविधान की अनदेखी पर डोटासरा का प्रहार
इससे पहले PCC चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि इस लड़ाई में कांग्रेस का एक-एक बब्बर शेर कार्यकर्ता साथ है। यहां 5 साल हो गए पर निकाय के चुनाव नहीं करवाए जा रहे। लेकिन खुलेआम संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही है। कोर्ट के आदेश तक नहीं माने जा रहे। वन स्टेट-वन इलेक्शन के दावे दम तोड़ रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष के जाने पर मंदिर को गंगाजल से धुलाया गया। पाक के साथ खून का बदला खून जैसा सलूक करना चाहिए।

समानता का अधिकार छीना जा रहा: टीकाराम जूली
संविधान बचाओ रैली में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने संबोधित करते हुए कहा कि देश में संविधान लागू हुआ तब सबको समानता का अधिकार दिया, लेकिन सत्ता में बैठे लोग आज संविधान को खत्म कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता के काला झंडा दिखाने पर पूरे परिवार को प्रताड़ित करते हैं। हमने ED को कहा था महेश जोशी को अरेस्ट मत करो उनकी पत्नी बीमार हैं। आज जोशी की पत्नी का निधन हो गया। ऐसी हरकतों से ये संविधान कमजोर कर रहे हैं।

इससे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सुबह जयपुर पहुंचे। संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी साथ आए हैं। विशेष विमान से दिल्ली से जयपुर आए हैं। प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, अशोक गहलोत, PCC चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सचिन पायलट सहित अन्य कांग्रेस नेताओं ने उनका स्वागत किया।

राजस्थान में रिकॉर्ड तोड़ रही गर्मी, पारा 46 के पार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में सोमवार को रिकॉर्ड तोड़ गर्मी रही। जैसलमेर में अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री रहा। इससे पहले जैसलमेर में 30 अप्रैल 2018 में अधिकतम तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था।

जयपुर, अलवर, भीलवाड़ा समेत अन्य शहरों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक अभी दो दिन तेज गर्मी झेलनी पड़ेगी। 1 मई से राजस्थान में एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा, जिसके प्रभाव से आंधी-बारिश का दौर शुरू हो सकता है।

जोधपुर में 5 साल का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज हुआ
जैसलमेर के अलावा बाड़मेर में भी भीषण गर्मी रही, जहां अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। जोधपुर में पिछले 5 साल में सर्वाधिक तापमान दर्ज हुआ। यहां पारा 44.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

मन की बात' कार्यक्रम की 121 वीं कड़ी में बोले प्रधानमंत्री मोदी, पहलगाम हमले के दोषियों को दिया जाएगा कठोरतम जवाब

- प्रधानमंत्री का उद्बोधन 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की देता है प्रेरणा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम की 121वीं कड़ी में देशवासियों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी अपने मुंबई प्रवास के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। अपने संबोधन में मोदी ने जम्मू एवं

शेष पृष्ठ 2 पर...

SMS स्टेडियम में लगे पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने 35-बॉल पर शतक लगाया। वैभव IPL इतिहास में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले खिलाड़ी है। राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का मुकाबला खेला गया।

इधर,मैच के दौरान पहलगाम आतंकी हमले को लेकर लोगों ने विरोध जताया। स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारे लगाए। मैच देखने आए लोगों ने आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी।

स्टेडियम के साउथ स्टैंड में बड़ी संख्या में दर्शकों ने इंडियन आर्मी के समर्थन में की नारेबाजी। इस दौरान दर्शकों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद और आतंकवाद मुर्दाबाद नारे लिखे पोस्टर भी लहराए। इधर, मैच के दौरान देर शाम तक दर्शकों का उत्साह बरकरार रहा।

हज यात्रियों के लिए प्रशिक्षण और टीकाकरण कार्यक्रम संपन्न

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। हज यात्रा 2025 के लिए चयनित सवाई माधोपुर जिले के हज यात्रियों को आवश्यक धार्मिक प्रशिक्षण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों से अवगत कराने के उद्देश्य से शनिवार को जामा मस्जिद, रंगरेज मुसाफिर खाना शहर सवाई माधोपुर में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हज कमेटी सदर हाजी गुलाम मोहम्मद और सेकेट्री रईस मोहम्मद की मौजूदगी में कार्यक्रम की शुरुआत कुरआन की तिलावत से हुई। इसके पश्चात जयपुर से आए विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने हज यात्रा की संपूर्ण प्रक्रिया, धार्मिक विधियों, महत्वपूर्ण नियम-कायदों एवं यात्रा के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों की विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने हज के अरकान आवश्यक कर्तव्यों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से प्रकाश डाला, जिससे यात्री आगामी यात्रा में किसी भी कठिनाई से बच सकें।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीकाकरण:- स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से हज यात्रियों का आवश्यक टीकाकरण भी किया गया। यात्रियों को स्वास्थ्य सुरक्षा, सफर के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों और विशेष दिशा-निर्देशों के बारे में भी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के समापन पर सभी यात्रियों के सफल और सुरक्षित हज यात्रा की कामना की गई। खिदमतगार ग्रुप की ओर से हाजियों को शरबत पिलाया गया। इस अवसर पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ओर शिक्षा अनुदेशक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना में जिले के पात्र विशेष योग्यजन 15 मई तक करें ऑनलाइन आवेदन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना वर्ष 2025 हेतु विशेष योग्यजन 15 मई, 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की उप निदेशक मीना आर्य ने बताया कि जिले के दिव्यांग छात्र-छात्रा एवं दिव्यांग युवा रोजगार हेतु अपने कार्यस्थल पर जाने के लिए मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना वर्ष-2025 के तहत आवेदन कर सकते हैं। जिले के इच्छुक विशेष योग्यजन जो 40 प्रतिशत या इससे अधिक की चलन निःशक्तता रखते है केवल वे ही विशेष योग्यजन अपने नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में 15 मई 2025 तक एसएसओ पोर्टल www.sso.rajasthan.gov.in "एसजेएमएस डीएसएपी" आईकन के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि आवेदन हेतु मूल निवास प्रमाण पत्र, पेंशन पीपीओ/पेंशन पीपीओ के अभाव में आय प्रमाण पत्र (वार्षिक आय 2 लाख से कम), आधार कार्ड, जनाधार कार्ड, आयु का प्रमाण पत्र (6 माह से अधिक पुराना मान्य नहीं)/निःशक्तता प्रमाण पत्र/नियमित अध्ययनरत होने का प्रमाण पत्र, रोजगार का प्रमाण पत्र, शपथ पत्र (गत 8 वर्षों में भारत सरकार/राजस्थान सरकार द्वारा संचालित किसी भी योजना में मोट्राईज्ड ट्राई साईकिल/स्कूटी वाहन प्राप्त नहीं करने का शपथ पत्र), ड्राईविंग लाईसेंस, दिव्यांगता प्रदर्शित करते हुए फोटो संलग्न करना आवश्यक है। अधिक जानकारी के लिए जिला कार्यालय एवं विभागीय दिशा निर्देश वेबसाइट पर उपलब्ध है।

भाई चारा

मेरे देशवासियों, प्यार मोहब्बत राखियों।
आपस में रख भाईचारा, सुख-दुख मिलकर बांटियों।
मेरे देशवासियों। प्यार का जज्बा राखियों।
कोई लड़ाये नेता बनकर, कोई नेता की आड़ में।
किसी को रिस्तेदार लड़ायें, कोई रिश्तों की आड़ में।
कोई पड़ोसी से लड़ता है, कोई पड़ोसी की आड़ में।
ये छोटे-मोटे झगड़े लोगों, ले जायेंगे कांटों की बाड़ में।
दूर ही रहना इन कांटो से, चुभ जायेंगे दिलों में साथियों।
मेरे देशवासियो, प्यार का रिश्ता राखियो।
भाई-भाई लड़ते देख, धन दौलत के वास्ते।
मियाँ बिवी झगड़ते देखे, तेरे मेरे के वास्ते।
वर्षों के रिश्ते टूटते देखे, नये रिश्तों के वास्ते।
मतलब की ये दुनियादारी, चाहे बढ़ जाये दिलों के फासले।
ऐसे रिश्तों से दूर ही रहना, बन जायेंगे दुश्मन साथियों।
मेरे देशवासियों, प्यार का रिश्ता राखियों।
कोई लिखता है अपनो की, कोई करे शिकायत गैरों से।
लिखने वाला यह नहीं जाने, क्यों मारे कुल्हाड़ी पैरों पे।
जो रस्ता कचहरी जाता, कभी किसी को मन नहीं भाता।
अन्याय संगत की दुनियादारी, इसमें उलझा वो पछताता।
ऐसे कागज कलम को संग में, कभी न रखना साथियों।
मेरे देशवासियों, प्यार का जज्बा राखियो।

कैप्टन लियाकत अली खान

चन्द अशआर

ज़माने के बारे में लिखने से पहले
बहुत सोच लेना मिलने से पहले
नहीं तो बहुत पछताना पड़ेगा
मरहम रख लेना जलने से पहले
अकेले अकेले पिए जा रहे हैं
नीरस सा जीवन जिए जा रहे हैं
बुलाते नहीं और आते नहीं हैं
वादे पर वादे किए जा रहे हैं
मेरी जान इतनी भी सस्ती नहीं है
कौड़ी की बोली लगाया करो ना
बड़ी मुश्किलों से पाया है तुमको
क़रीब आ के दूर जाया करो ना
खुश कैसे रहें समझाते नहीं
पास बुलाते मगर आते नहीं
चाहते तो सब कुछ हैं हमसे
संसार अपना दिखाते नहीं
ज़िन्दगी में तमाशे बहुत से मिले
मिलना जिसे था वो ही ना मिले
कहानियां कभी आसान नहीं होती
ज़िन्दगी होती है मेहमान नहीं होती
सब-कुछ तेरे चरनों में निछावर कर दिया
प्यार में ना पूछ सब-कुछ उजागर कर दिया
सूखी टहनी जानकर छोड़ आए थे कभी
तेरी मेहनत के सिले ने वो शजर कर दिया
सुबह सफ़र में निकला है ज़िन्दगी तुझ को
सुकूने ज़ीस्त की खातिर तलाशे यार के लिए

तख़लीक़:- फ़ज़्लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)
मोबाइल नं 9828668877

'अपमान' शॉर्ट फिल्म हुई रिलीज़ सच्ची घटना पर आधारित है फिल्म

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। संस्कार सृजन संस्था के बैनर तले निर्मित शॉर्ट फिल्म "अपमान" आज "इंडिया" यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ हुई। अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने बटन दबाकर रिलीज़ किया। फिल्म के निर्देशक राम गोपाल सैनी ने बताया कि संस्कार सृजन संस्था पिछले 19 वर्षों से लगातार कला, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। शॉर्ट फिल्म "अपमान" एक गौरक्षक के जीवन की सच्ची घटना पर आधारित है। जिसमें दिखाया गया है कि कैसे एक बिजनेसमैन गौरक्षक बनता है और गौ माता की सेवा में तन, मन, धन से जुड़ जाता है। यह शॉर्ट फिल्म आमजन में गौसेवा की भावनाओं को जागृत करेगी और लोग गौसेवा के लिए प्रेरित होंगे। इस शॉर्ट फिल्म की सबसे बड़ी खासियत यह है कि जिस व्यक्ति की जिंदगी की सच्ची घटना पर आधारित यह फिल्म है, उसी व्यक्ति ने इस फिल्म में अपना किरदार मुख्य भूमिका के रूप में निभाया है। साथ ही सभी न्यूकमर्स के अभिनय से इस फिल्म को सजाया है। शॉर्ट फिल्म "अपमान" आज 26 अप्रैल 2025 को सुबह 11 बजे इंडिया यूट्यूब चैनल पर रिलीज़ हुई। गौरतलब है कि इससे पूर्व रिलीज़ हुई फिल्म "हनुमान" और "अनमोल जीवन" को भी दर्शकों का जबरदस्त रेस्पॉन्स मिला था। इस दौरान फिल्म के निर्देशक राम गोपाल सैनी, मुख्य कलाकार शेर सिंह कुमावत, पंडित रविंद्र आचार्य, मोहन सैनी, संदीप शर्मा, एडिटर रजनीश सैनी, सहायक कलाकार लोकेश डेनवाल, शारदा देवी, नंदकिशोर शर्मा, दुर्गा शंकर लखेरा, दिनेश कुमार कुमावत आदि मौजूद रहे।

वतन फाउंडेशन ने मासिक मीटिंग आयोजित कर मिशन मोहब्बत की प्याऊ को लेकर की चर्चा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। हमारा पैगाम भाईचारे के नाम की थीम पर कार्य करने वाली टीम वतन फाउंडेशन कार्यकारिणी की खेरदा स्थित कार्यालय जय हिंद हाउस पर मासिक मीटिंग आयोजित की गई। फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी नरेन्द्र शर्मा ने बताया कि टीम वतन फाउंडेशन द्वारा खेरदा जय हिंद हाउस पर मासिक मीटिंग आयोजित हुई। जिसमें टीम के समस्त पदाधिकारी शामिल हुए।फाउंडेशन के संरक्षक राजेश शर्मा ने बताया कि मासिक मीटिंग में टीम के द्वारा 1 मई मजदूर दिवस पर मिशन प्यास का अहसास के तहत पानी की प्याऊ लगाने को लेकर विचार विमर्श किया गया।इस दौरान टीम के सदस्यों ने मजदूर दिवस पर लगाई जाने वाली प्याऊ को लेकर अपने अपने विचार रखे और सहयोग राशि देकर मिशन प्यास के अहसास की शुरुआत करने का आगाज किया। फाउंडेशन की सचिव सुनीता मधुकर ने कहा कि

टीम वतन फाउंडेशन द्वारा समय के हिसाब से एक मिशन चलाकर कार्य किया जाता है। जिसमें सर्दी में मिशन सर्दी का अहसास,गर्मी में मिशन मोहब्बत की प्याऊ हो या किसी प्रकार से सेवा कार्य करना हो।उन्होंने बताया कि फाउंडेशन के द्वारा विगत कई महीनों से मिशन मोहब्बत की रसोई चलाकर, हर सोमवार को जरूरतमंद लोगो को भोजन कराया जाता है।इस मौके पर मलारना डूंगर के इरफान खान को फाउंडेशन का उपखंड अध्यक्ष मनोनीत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हुसैन आर्मी ने बताया कि उपखंड अध्यक्ष को अविलंब अपनी कार्यकारिणी बनाने और मलारना स्टेशन पर ठहर ने वाली प्रत्येक यात्री ट्रेन पर यात्रियों को प्याऊ लगाकर पानी पिलाने की जिम्मेदारी दी गई। इस मौके पर उपाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया, संरक्षक प्रो.रामलाल बैरवा, कोषाध्यक्ष महेश योगी, प्रवक्ता मोईन खान, इरफान खान, टीपू सुल्तान, मुकेश जैन, आसिफ खान, बबलू भाई, अली,आशीष, महिला विंग कमांडर रूमा नाज एवं मंजू गंगवाल सहित टीम के सदस्य मौजूद रहे।

हथियार की नोंक पर ज्वैलरी शॉप में लूट करने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार, एक फरार

-बगरू में दिनदहाड़े हुई थी 70 लाख के सोने की लूट, डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने किया खुलासा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। बगरू थाना क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप से 70 लाख रुपए का सोना लूटने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। पुलिस ने वारदात को अंजाम देने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक आरोपी फरार है जिसकी तलाश जारी है। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने सोमवार को इस मामले का खुलासा किया।

डीसीपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में कन्हैया लाल शर्मा उर्फ चिंकू पंडित, सोहेल पठान और प्यारे लाल लुहार शामिल हैं। इनके कब्जे से दो देसी कट्टे, तीन कारतूस, दो बाइक, एक कंटेनर और लूटी गई ज्वेलरी बरामद की गई है। फरार बदमाश कौशल निवासी बगरू की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

जेल में बना गैंग, बाहर निकलकर रची लूट की साजिश

जांच में सामने आया कि कन्हैया लाल और कौशल पहले आर्म्स एक्ट में जेल जा चुके हैं। जयपुर जेल में इनकी मुलाकात जोधपुर निवासी सोहेल पठान से हुई थी। सजा पूरी करने के बाद तीनों ने जल्द पैसा कमाने के लिए बैंक या ज्वेलरी शॉप लूटने की योजना बनाई। बगरू स्थित मुथूट फाइनेंस बैंक समेत आस-पास की कई ज्वेलरी दुकानों की रेकी की गई। 22 जुलाई की शाम को तीनों बदमाशों ने बगरू में एक ज्वेलरी शॉप को निशाना बनाया। एक बदमाश ने देसी कट्टा लहराकर दुकानदारों को डराया और फिर दुकान के शीशे के दरवाजे पर गोली चला दी। दहशत का फायदा उठाते हुए वे दो बैग में सोने-चांदी के गहने भरकर बाइक से भाग निकले। वारदात स्थल से थोड़ी दूरी पर खड़े एक कंटेनर में छिपकर बदमाश फरार हो गए। पुलिस के अनुसार कन्हैया लाल शर्मा बगरू रीको एरिया में आईएमएल कंटेनर्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में काम करता था। उसी कंपनी में प्यारे लाल ड्राइवर था, जिसे भी प्लान में शामिल कर लिया गया था। योजना के अनुसार प्यारे लाल कंटेनर लेकर वारदात स्थल के पास मौजूद रहा, ताकि बाइक पर भागते बदमाश कंटेनर में छिप सकें और पुलिस को चकमा देकर बच निकलें। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने बताया कि फरार आरोपी कौशल की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

होटल फेडरेशन ने पहलगाम हमले को लेकर ज्ञापन सौंपा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान सवाई माधोपुर के जिला अध्यक्ष काजी एहतशामुद्दीन और अन्य पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर उग्रवादियों द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा की। यह हमला, जो कि पर्यटन क्षेत्र पर आजादी के बाद का सबसे बड़ा हमला बताया गया, सभी ने इसे एक घृणित कृत्य मानते हुए दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ कर कड़ी सजा देने की मांग की। उन्होंने आगे कहा

कि हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन निर्दोष पर्यटकों के परिवारों को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति दे। होटल फेडरेशन के सभी सदस्य इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं और उनके लिए न्याय की उम्मीद जताते हैं।

देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की आतंकी साजिशों को विफल करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी: जिला कलक्टर

-जिला कलक्टर एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में जिले में कानून व्यवस्था एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए रविवार को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट शुभम चौधरी तथा पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता की संयुक्त अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलक्टर ने कहा कि देश की एकता, अखंडता एवं सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने की आतंकी साजिशों को विफल करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। समाज में सौहार्द और भाईचारे की भावना को हर हाल में बनाए रखा जाए। उन्होंने प्रशासन एवं पुलिस को निर्देश दिए कि किसी भी भ्रामक सूचना या अफवाह पर त्वरित संज्ञान लें और आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट, अफवाहें एवं आपत्तिजनक सामग्री के प्रसार को रोकने हेतु सतर्कता बरती जाए तथा संवेदनशील पोस्ट को साझा करने से बचा जाए। जिला कलक्टर ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाते हुए किसी भी संवेदनशील सूचना को तुरंत प्रशासन एवं पुलिस के साथ साझा करें। उन्होंने निर्देश दिए कि

युवाओं को जागरूक किया जाए कि वे बिना जांचे-परखे कोई भी उत्तेजक सामग्री पोस्ट न करें तथा सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि से बचें। जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने कहा कि सभी शांति समिति सदस्य संबंधित थानाधिकारियों के साथ आपसी संवाद एवं समन्वय मजबूत रखे। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक आयोजन, जुलूस या रैली के आयोजन से पूर्व अनुमति अवश्य लें। साथ ही उन्होंने बाल विवाह, नशा, मृत्युभोज सहित अन्य कुप्रथाओं के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने तथा किसी भी अप्रिय घटना घटित होने की संभावना की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम नंबर 9530437072 या दूरभाष नंबर 07462-222999, 07462-220201 एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को देने की अपील की। इस दौरान जिला कलक्टर उपस्थित शांति समिति के सदस्यों ने उनके सुझाव भी लिए। बैठक में सभी शांति समिति सदस्यों ने जिले में पूर्ण शांति एवं भाईचारा बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। साथ ही बाल विवाह, नशा, कुप्रथाओं के खिलाफ जनजागरूकता फैलाने तथा किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तत्काल कंट्रोल रूम या संबंधित अधिकारियों को देने की बात कहीं।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वां, एसडीएम अनूप सिंह, तहसीलदार विनोद शर्मा, आबकारी अधिकारी सुरेश यादव, शांति समिति सदस्य महेश छाबड़ा, कानजी मीना, किशनलाल, अनिश खान, मुख्त्यार खान, नाथूलाल शर्मा, रामकरण मीना, बदरूउद्दीन, अफजल अली सहित विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राज्य मानवाधिकार आयोग ने आईपीएल मैच टिकटों की कालाबाजारी पर पुलिस से 30 अप्रैल तक रिपोर्ट मांगी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य मानवाधिकार आयोग ने एसएमएस स्टेडियम में आईपीएल मैच के टिकटों की कालाबाजारी को लेकर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस मामले में पुलिस कमिश्नर से 30 अप्रैल तक तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। आयोग अध्यक्ष, जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित यह आदेश जारी किया। आयोग ने यह भी कहा कि राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष का कर्तव्य है कि वे टिकटों को एक पारदर्शी प्रक्रिया के तहत बेचें, ताकि वास्तविक दर्शक आसानी से मैच का आनंद ले सकें।आयोग ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के आयोजकों का दायित्व है कि जब वे राजस्थान शब्द का उपयोग अपनी टीम के लिए करते है तो इस बात का भी ध्यान रखें कि मैच के टिकटों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दर्शकों को उपलब्ध कराए। आयोग ने आईपीएल टिकट ब्लैक करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार करने का हवाला देते हुए कहा कि आरोपियों के पास कई टिकट बरामद हुई हैं, जो वे अधिक राशि में ब्लैक कर रहे थे।दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स के उपाध्यक्ष को इसकी जानकारी ही नहीं है कि टिकट किसे बेचे गए हैं।

आयोग ने अपने आदेश में कहा कि आईपीएल को अन्य प्रांतों के दर्शक भी देखते हैं, जो अपना समय और धन खर्च करने के बाद भी टिकट प्राप्त करने में विफल रहे हैं। यह इस बात को दिखाता है कि टिकटों को कालाबाजारी में बेचा गया है। यह गंभीर विषय है और प्रशासन को इस तथ्य की जांच करनी जरूरी है कि मैच के टिकट अवांछित तत्वों को किसने उपलब्ध कराए और इसमें राजस्थान रॉयल्स के पदाधिकारियों की भूमिका तो नहीं है।

पृष्ठ 1 का शेष...

मन की बात' कार्यक्रम...

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला आतंक के सरपरस्तों की हताशा को दिखाता है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में शांति लौट रही थी और लोकतंत्र मजबूत हो रहा था मगर देश के दुश्मनों को ये शांति और समृद्धि रास नहीं आई। श्री मोदी ने विश्वास दिलाया कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलेगा तथा हमले के दोषियों और साजिशकर्ताओं को कठोरतम जवाब दिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. के. कस्तूरीरंगन के निधन पर श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए उनके योगदान को याद किया। उन्होंने आर्यभट्ट उपग्रह के प्रक्षेपण के 50 वर्ष पूरे होने का जिक्र करते हुए कहा कि अंतरिक्ष में भारत के सपनों की उड़ान एक समय केवल हौसलों से शुरू हुई थी मगर आज देश एक ग्लोबल स्पेस पॉवर बन चुका है। हमने एक साथ 104 सैटेलाइट लॉन्च करके रिकॉर्ड बनाया है तथा चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला भारत पहला देश बना है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में म्यांमार में भूकंप के बाद भारत द्वारा चलाए गए राहत अभियान और अफगानिस्तान के लिए वैक्सीन भेजे जाने की चर्चा की। उन्होंने कहा कि संकट के समय विश्वमित्र के रूप में भारत की पहचान बन रही है। "एक पेड़ मां के नाम" अभियान की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने गर्मी के मौसम में देशवासियों को अधिक से अधिक तादाद में पौधे लगाने का आह्वान किया। उन्होंने मन की बात में अन्य कई विषयों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस प्रेरणादायक कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने भारत की विकास यात्रा की उल्लेखनीय उपलब्धियों का चित्रण करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण के महायज्ञ में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के शब्दों में गहरा प्रभाव है, जो हमें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

शारजाह इंटरनेशनल स्टेडियम में अंपायरिंग करेंगे चूरू के शमशाद खान

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। कर्नाटक क्रिकेट लीग (केसीएल) में चूरू जिला मुख्यालय के वार्ड न.38 निवासी शमशाद खान अंपायरिंग करते हुए दिखेंगे। इस क्रिकेट लीग में कर्नाटक के सेलिब्रिटी फिल्म स्टार खेलते हुए दिखेंगे। लीग 29 अप्रैल से 3 मई तक खेली जाएगी। जिसके सभी मैच शारजाह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। जिसमें चूरू के शमशाद खान अंपायरिंग करेंगे। बैक पेन की इंजरी की वजह से क्रिकेट खेलने से दूर होने के कारण वह अंपायरिंग करने लगे और अब वो दुबई के क्लब्स के मैच में

अंपायरिंग करते है शमशाद करीब 500 मैचेज में अंपायरिंग कर चुके है।शमशाद खान इससे पहले भी शारजाह स्टेडियम ओर दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड में भी अंपायरिंग कर चुके है। वे मूल रूप से चूरू शहर के रहने वाले है

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

केन्द्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने दुबई में अरेबियन ट्रैवल मार्केट में राजस्थान पर्यटन स्टैंड का किया उद्घाटन

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत तथा दुबई में भारत के महावाणिज्यदूत संतोष कुमार सिवन ने सोमवार को अरेबियन ट्रैवल मार्केट (एटीएम) में पहले दिन राजस्थान पर्यटन स्टैंड का उद्घाटन किया। शेखावत ने इस अवसर पर राजस्थान स्टैंड पर मीडिया से बातचीत में राजस्थान सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुनिया की सबसे बेहतरीन लग्जरी ट्रेन 'पैलेस ऑन व्हील्स' राजस्थान का गौरव है। उन्होंने बताया कि वे अगले सप्ताह जयपुर में आयोजित होने वाले जीआईटीबी में भी शामिल होंगे। राजस्थान पर्यटन के अधिकारियों ने पहले दिन विभिन्न टूर ऑपरेटरों और मीडिया प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की और राजस्थान की उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी के निर्देशन में राज्य में पर्यटन के विकास के लिए की गई विविध पहल और विभिन्न पर्यटन उत्पादों और पैकेज के संबंध में जानकारी प्रदान की। राजस्थान पर्यटन द्वारा इस वर्ष अरेबियन ट्रैवल मार्ट में भागीदारी कर मिडल ईस्ट विशेषकर यूएई व इसके आसपास के देशों से आये ट्रैवल एजेंट्स के मध्य राजस्थान का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। इस अवसर पर राजस्थान पर्यटन के अतिरिक्त निदेशक श्री आनंद त्रिपाठी और उप निदेशक संजय जौहरी भी मौजूद रहे। राज्य के ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के प्रतिनिधि ज्ञान प्रकाश और पैलेस ऑन व्हील्स के प्रबंधक दल और निजी क्षेत्र के टूर ऑपरेटर भी इवेंट में भाग ले रहे हैं।

जयपुर जिले में रास्ता खोलो अभियान से ग्रामीणों को बड़ी राहत

-भजनलाल शर्मा सरकार के निर्देश पर 1000 से ज्यादा रास्ते खुले

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में रास्ता खालो अभियान का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। विगत साढ़े पांच महीनों में अभियान के तहत जयपुर जिले में एक हजार से अधिक रास्ते खोल कर लाखों ग्रामीणों को राहत प्रदान की गई है। अतिरिक्त जिला कलक्टर एवं अभियान के नोडल अधिकारी देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में प्रत्येक तहसील में हर सप्ताह 3 रास्ते खुलवाए जा रहे हैं। रास्ता खोलो अभियान के सफल क्रियान्वयन एवं अधिक से अधिक आमजन को लाभांवित करने के लिए जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी स्वयं अभियान की लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विगत एक सप्ताह में जयपुर जिले के समस्त तहसीलों में बरसों से बंद 41 रास्ते खुलवाए गए। अभियान के तहत जिला प्रशासन ने समझाइश एवं सहमति से महज साढ़े 5 महीनों में गांवों, खेतों और ढाणियों के बरसों से बंद पड़े एक हजार 18 रास्ते खुलवाने में कामयाबी हासिल की है। देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि 15 नवंबर 2024 से 27 अप्रैल 2025 तक अभियान के तहत जिले में फागी तहसील में सर्वाधिक 84 रास्ते खुलवाए गए हैं। जिनमें से 44 रास्तों पर ग्रेवल सड़क बनाये जाने का कार्य जारी है। वहीं, 2 रास्तों पर ब्लॉक सड़क का निमार्ण कार्य जारी है। वहीं, अभियान के तहत जयपुर तहसील में 4 रास्ते, कालवाड़ तहसील में 8 रास्ते, आमेर तहसील में 59 रास्ते, जमवारामगढ़ तहसील में 47 रास्ते, आंधी तहसील में 49 रास्ते, बस्सी तहसील में 51 रास्ते, तूंगा तहसील में 42 रास्ते खुलवाए गए। वहीं, शाहपुरा तहसील में 64 रास्ते, जोबनेर तहसील में 62 रास्ते, किशनगढ़-रेनवाल तहसील में 51 रास्ते, फुलेरा तहसील में 56 रास्ते, रामपुरा-डाबड़ी तहसील में 42 रास्ते, जालसू तहसील में 33 रास्ते, चौमूं तहसील में 68 रास्ते, सांगानेर तहसील में 21 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने ने बताया कि चाकसू तहसील में 61 रास्ते, कोटखावदा तहसील में 41 रास्ते, माधोराजपुरा तहसील में 57 रास्ते, दूदू तहसील में 55 रास्ते एवं मौजमाबाद तहसील में 63 रास्ते खुलवाए गए। उन्होंने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अधिकारियों को रास्ता खोलो अभियान के तहत बंद रास्ते खुलवाए जाने के पश्चात खोले गए रास्तों पर ग्रेवेल, सी.सी. रोड़ बनवाये जाने की कार्यवाही भी जल्द से जल्द अमल में लाने के निर्देश दिये हैं, इन निर्देशों की अनुपालना में अधिकांश स्थानों पर ग्रेवल रोड बनाने की कार्यवाही भी आरंभ की जा चुकी है।

वहीं, जिन रास्तों के वाद न्यायालय में विचाराधीन है परिवादियों द्वारा संबंधित न्यायालय से ही अनुतोष प्राप्त किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों की भूमि पर अतिक्रमण को लेकर जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में परिवाद प्राप्त होते हैं। रास्तों को लेकर न्यायालय में भी वाद दायर किए जाते रहते हैं। ऐसे प्रकरणों में निरन्तर बढ़ोतरी होने से आमजन को न्यायालय के चक्कर लगाने एवं जन-धन की हानि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कानून व्यवस्था भी प्रभावित होती है। इसलिए प्रशासन ने रास्ते सम्बन्धी समस्याओं के निराकरण के लिए 'रास्ता खोलो अभियान' चलाने का निर्णय लिया गया।

पूर्व मंत्री महेश जोशी की पत्नी कौशल देवी का निधन

-ब्रेन हैमरेज से पीड़ित कौशल देवी ने ली अंतिम सांस, महेश जोशी को कोर्ट से मिली राहत

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जल जीवन मिशन घोटाले में ईडी की हिरासत में चल रहे पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. महेश जोशी की पत्नी कौशल देवी का सोमवार को निधन हो गया। उन्होंने जयपुर के एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार सोमवार दोपहर 3 बजे चांदपोल स्थित मोक्षधाम में किया गया। इधर, पत्नी के निधन की खबर मिलते ही महेश जोशी ने कोर्ट में अंतरिम जमानत के लिए आवेदन किया था। कोर्ट ने उन्हें 4 दिन की अंतरिम जमानत मंजूर कर दी है। कांग्रेस के कई नेताओं ने महेश जोशी की पत्नी के निधन पर संवेदना प्रकट की है। पूर्व सीएम अशोक गहलोत, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित कई नेताओं ने महेश जोशी की पत्नी के निधन पर शोक जताया है।पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'पूर्व मंत्री महेश जोशी की पत्नी कौशल देवी जोशी का निधन बेहद दुखद है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए लिखा कि इस मुश्किल घड़ी में सभी परिजनों के साथ हैं।' दरअसल, पूर्व मंत्री डॉ। महेश जोशी की पत्नी कौशल देवी का आज सुबह निधन हो गया है। वे ब्रेन हैमरेज से पीड़ित थी। उनकी दोनों किडनियां भी फेल हो गई थी, जिसके चलते उनका जयपुर के एक अस्पताल में उपचार चल रहा था। ईडी ने 24 अप्रैल को किया था जोशी को अरेस्ट : ईडी ने महेश जोशी को 24 अप्रैल को गिरफ्तार कर चार दिन के रिमांड पर लिया था। उनकी चार दिन की रिमांड अवधि आज सोमवार को पूरी हो रही थी, जिसके चलते ईडी ने आज उन्हें पीएमएलए मामलों के विशेष कोर्ट में पेश किया। ईडी की ओर से अधिवक्ता अजातशत्रु मीणा ने अदालत को बताया कि महेश जोशी से पूछताछ पूरी हो गई है। ऐसे में उन्हें जेल भेज दिया जाए। इसी दौरान जानकारी मिली की महेश जोशी की अस्पताल में भर्ती पत्नी का निधन हो गया है। ऐसे में महेश जोशी की ओर से अधिवक्ता दीपक चौहान ने अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर अंतिम संस्कार सहित अन्य रिवाजों में शामिल होने के लिए 15 दिन की अंतरिम जमानत पर रिहा करने की गुहार की। वहीं, ईडी की ओर से कहा गया कि उन्हें 4 दिन की अंतरिम जमानत में कोई आपत्ति नहीं है। इस पर अदालत ने जोशी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश देने के बाद अंतरिम जमानत का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर 4 दिन की अंतरिम जमानत पर रिहा करने को कहा है। –बता दें कि यह मामला केंद्र सरकार की हर घर नल पहुंचने वाली जल जीवन मिशन योजना से जुड़ा है। साल 2021 में श्री श्याम ट्यूबवेल कंपनी और मेसर्स श्री गणपति ट्यूबवेल कंपनी के ठेकेदार पदमचंद जैन और महेश मित्तल ने फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र बनाकर जलदाय विभाग से करोड़ों रुपए के टेंडर हासिल कर लिए थे। घोटाले का खुलासा होने पर एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने मामले की जांच शुरू की। बाद में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी जांच करते हुए महेश जोशी, उनके सहयोगी संजय बढ़ाया और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की।

भट्टा बस्ती पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध हथियारों के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस थाना भट्टा बस्ती, जयपुर उत्तर की टीम ने अवैध धारदार हथियार लेकर घूम रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के कब्जे से एक धारदार छूरा और एक चाकू बरामद किया गया है।जयपुर उत्तर की पुलिस उपायुक्त राशि डोगरा डूडी ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस आयुक्त जयपुर बीजू जॉर्ज जोसेफ के निर्देश पर चाकूबाजी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के आदेश दिए गए थे। इसी क्रम में अति. पुलिस उपायुक्त उत्तर (द्वितीय) बजरंग सिंह और सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्री नगर शिवरतन गोदारा के सुपरविजन में भट्टा बस्ती थाना अधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में दो टीमें गठित की गईं। पहली टीम (एएसआई बाबूलाल, कांस्टेबल कुलदीप और देवकीनंदन) ने 27 अप्रैल 2025 को गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए साहिद उर्फ डकैत पुत्र गयासुद्दीन (उम्र 25 वर्ष), निवासी सर्वे नंबर 503, विजय नगर कच्ची बस्ती, थाना भट्टा बस्ती को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से अवैध धारदार छूरा बरामद किया गया। वहीं दूसरी टीम (एसआई भंवर सिंह, कांस्टेबल कालूराम और राकेश कुमार) ने उसी दिन दूसरी कार्रवाई करते हुए जावेद हुसैन पुत्र ताहिर हुसैन (उम्र 27 वर्ष), निवासी श्रीराम टीला, रहीसा लड्डे वाली के पास, थाना भट्टा बस्ती से अवैध चाकू बरामद कर उसे गिरफ्तार किया। साहिद उर्फ डकैत के खिलाफ कई गंभीर मामले दर्ज हैं, जिनमें NDPS एक्ट और IPC की धाराएं शामिल हैं। कई मुकदमे विचाराधीन हैं। भट्टा बस्ती पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने में मदद मिली है। आगे की कार्रवाई जारी है।

मशीनों के दौर में हाथ का हुनर जिंदा रखे हुए हैं आरी-तारी के फनकार नौशाद खान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर की गलियों में, जहाँ हर नुक्कड़ पर हस्तशिल्प की खुशबू तैरती है, वहीं एक कोने में नौशाद खान अपनी मेहनत और मोहब्बत से एक विरासत बुन रहे हैं। पिछले बीस बरस से, आरी-तारी और जरदोजी की महीन कलाओं में नई जान फूंकते हुए, वे खामोशी से एक बड़ा काम कर रहे हैं। नौशाद खान को यकीन है कि वक़्त चाहे जितनी तेज़ी से बदले, मशीनें आएं या जाएं, लेकिन इंसानी हाथों का हुनर कभी फीका नहीं पड़ेगा। वह मुस्कुराते हुए कहते हैं कि मशीनें आएंगी-जाएंगी, लेकिन हाथ का काम अमर रहेगा।

उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद ज़िले के शमशाबाद कस्बे में जन्मे नौशाद खान का रिश्ता जरदोजी से पुश्तैनी है। वे बताते हैं कि उनके दादा हबीबुल्लाह खान से शुरू हुआ यह सिलसिला उनके वालिद आलम खान तक पहुँचा और फिर उन्होंने इस विरासत को संभाला। करीब 20 साल पहले जयपुर आए नौशाद खान के पास सिर्फ हुनर था, लेकिन आज उनकी कला फैशन इंडस्ट्री से लेकर धार्मिक मंचों तक अपनी पहचान बना चुकी है। नौशाद खान का काम साधारण कपड़ों को शाही लिबास में बदल देता है। पहले जहां केवल सलमा, नक्शी, गोटा और दबका का इस्तेमाल होता था, आज उनके डिजाइनों में आर्टिफिशल स्टोन, डायमंड, मोती, टू प्लेट और यहां तक कि ट्यूबलाइट तक का प्रयोग देखने को मिलता है। वे पहले स्केच बनाते हैं, फिर सूई से गुदाई कर डिज़ाइन को कपड़े पर उतारते हैं। कई डिज़ाइनों को पूरा करने में एक हफ्ते से लेकर महीनों तक का समय लग जाता है।

धार्मिक और राजनीतिक प्रतीकों को भी दिया जीवन

नौशाद का काम लहंगे, साड़ियों और शेरवानी तक सीमित नहीं है। उन्होंने अजमेर दरगाह के नाज़िम और पूर्व डीआईजी बिलाल खान को ख्वाजा गरीब नवाज के गुंबद की कढ़ाईदार आकृति भेंट की है। साथ ही, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के लिए कांग्रेस का हाथ चिन्ह, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के लिए साइकिल और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के लिए कमल का फूल भी आरी-तारी में गढ़ चुके हैं। ये सभी प्रतीक आज भी प्रमुख लोगों के दफ्तरों की शान बने हुए हैं।

देश-दुनिया में जयपुर के कारीगर का डंका

नौशाद खान का हुनर न केवल देशभर में बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। वे भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय, राजस्थान संस्कृति विभाग, सिटी पैलेस, प्रिंसेस दिया कुमारी फाउंडेशन, जवाहर कला केंद्र और नायाब हुनर हाट जैसे मंचों पर लाइव डेमो दे चुके हैं। अमेरिका, यूरोप और लंदन से आए पर्यटक भी उनके कार्य के प्रशंसक रहे हैं। अब तक उन्हें 26 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। दिल्ली स्टेट उर्स कमेटी, मिनिस्ट्री ऑफ टेक्सटाइल्स, भव्या फाउंडेशन और राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री सहित कई संस्थाओं ने उन्हें सम्मानित किया है। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, गोविंद डोटासरा और पूर्व जल मंत्री महेश जोशी भी उनकी कला की तारीफ कर चुके हैं।

नौशाद खान का सपना है कि पारंपरिक हाथ के काम को डिजिटल युग में भी नया प्लेटफॉर्म मिले। वे अब तक 1000 से अधिक विद्यार्थियों को मुफ्त प्रशिक्षण दे चुके हैं और कई कॉलेजों व वर्कशॉप्स में लाइव डेमो कर चुके हैं। उनका लक्ष्य एक स्थायी प्रशिक्षण केंद्र खोलने का है, जहां युवा पीढ़ी को आरी-तारी व जरदोजी की बारीकियों में निपुण किया जा सके। साथ ही वे डिजाइनों को डिजिटल फॉर्मेट में संरक्षित करने की योजना भी बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने की जनसुनवाई

जयपुर,(रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई करते हुए आमजन की परिवेदनाओं को आत्मीयता के साथ सुना और अधिकारियों को परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। प्रत्येक फरियादी की समस्या को सुनना और उसका निस्तारण सुनिश्चित करना हमारी सरकार का मूलमंत्र है। मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित भी रहे। जनसुनवाई के दौरान जयपुर निवासी रामसिंह राजोरिया ने मुख्यमंत्री को चावल के एक दाने पर उकेरी अयोध्या स्थित रामलला मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। शर्मा ने राजोरिया की माइक्रो आर्ट की प्रशंसा की। राजोरिया ने सूक्ष्मतम हस्तलिखित भगवत् गीता के बारे में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

राजकीय अल्पसंख्यक बालक आवासीय विद्यालय के लिए जयपुर में घर-घर सर्वे अभियान

जयपुर। राजधानी जयपुर के खो नागोरियान में संचालित राजकीय अल्पसंख्यक बालक आवासीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) में कक्षा 6 से 9 के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध की पहल पर 'आओ चले आवासीय विद्यालय' नामक अभियान चलाया जा रहा हैं। इस विशेष सर्वे अभियान के तहत, जयपुर शहर को 14 ग्रुपों में बांटकर हर क्षेत्र में सर्वे किया जाएगा ताकि अधिक से अधिक बालकों को इस विद्यालय में प्रवेश मिल सके। शिक्षा अनुदेशकों को घर-घर जाकर सर्वे करने और प्रत्येक कक्षा के लिए 12-12 विद्यार्थियों का नामांकन सुनिश्चित करने का लक्ष्य दिया गया है। इस अभियान में सर्वे प्रभारी और सह प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं, जो इस पूरे कार्य को समन्वयित करेंगे। शिक्षा अनुदेशकों को अपने-अपने नवाचारों का उपयोग करने की स्वतंत्रता दी गई है ताकि इस अभियान को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। इस अभियान के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ग्रुप के शिक्षा अनुदेशकों को सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनका उत्साह बढ़ सके और अभियान में गति लाई जा सके। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने इस अभियान को लेकर कहा कि इसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समुदाय के बच्चों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करना है। इस अवसर पर उन्होंने सभी शिक्षा अनुदेशकों से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें ताकि राजस्थान सरकार की योजना का लाभ हर जरूरतमंद विद्यार्थी तक पहुंच सके।

अभियान में क्या है खास?

जयपुर को 14 ग्रुपों में बांटा गया और प्रत्येक ग्रुप को 12-12 विद्यार्थियों का नामांकन करना है। सर्वे प्रभारी और सह प्रभारी की नियुक्ति की गई है।सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ग्रुप के शिक्षा अनुदेशकों को सम्मानित किया जाएगा। इस अभियान की समयसीमा के अनुसार, हर शिक्षा अनुदेशक को अपने द्वारा किए गए सर्वे का प्रतिदिन रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से कार्यालय भेजना होगा। यह अभियान कक्षा 6 से 9 तक के नामांकन के लिए विशेष रूप से संचालित किया जा रहा है, और इसके तहत सरकार ने इस वर्ष अधिक से अधिक छात्रों को निःशुल्क शिक्षा का अवसर देने की योजना बनाई है। अधिक जानकारी के लिए 0141-2785723, 9024418010, 9784109395 एवं आवासीय विद्यालय के पते 31, 32, आयशा नगर –एल, परी सर्किल के पास, जगतपुरा, जयपुर में संपर्क किया जा सकता है।

जयपुर में आरटीओ का अवैध वाहनों पर बड़ा अभियान, 955 चालान और 96 वाहन सीज

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। आरटीओ प्रथम ने शहर में अवैध वाहनों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया। आरटीओ राजेंद्र सिंह शेखावत ने जानकारी दी कि पिछले पांच दिनों के दौरान विभिन्न स्थानों पर जांच की गई, जिसमें कुल 2865 वाहनों की समीक्षा की गई। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले 955 वाहनों के चालान किए गए। अभियान में बिना परमिट, फिटनेस और पॉल्युशन सर्टिफिकेट के चल रहे वाहनों को भी रोका गया।आरटीओ ने बताया- जांच के दौरान 137 गाड़ियां ओवरलोड पाई गईं, जबकि 254 वाहनों में ओवर प्रोजेक्शन मिला। बिना परमिट के 85 वाहन पकड़े गए। इसके अलावा 143 गाड़ियों का फिटनेस सर्टिफिकेट नहीं मिला और 140 वाहनों का पॉल्युशन सर्टिफिकेट भी नहीं था। कुल 96 वाहनों को सीज किया गया है। अभियान के दौरान अब तक 29 लाख 16 हजार 200 रुपए की कंपाउंड राशि वसूली गई है, और चालानों से अनुमानित कुल राशि 72 लाख 84 हजार 397 रुपए तक पहुंच चुकी है। आरटीओ ने बताया कि यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर के घाट गेट बाज़ार में जाम- बेलगाम

सलीम अली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर शहर के घाट गेट बाज़ार में हमेशा जाम लगा रहता है। यहां पर आधी सड़क तो ई-रिक्शा वाले रोके रखते हैं, बाकी पैदल चलने वाले रोड के बीच चलते हैं। अब फॉर व्हीलर, मोटर साइकिल, स्कूटी वालों को सड़क पर जगह ही नहीं मिल पाती। बड़ी मुश्किल से ये वाहन निकल पाते हैं। इसके अलावा एक समस्या यह भी है कि इस रोड पर भारी ट्रैफिक होने के कारण आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जाम में देख जाता है कि अगर ई रिक्शा में सवारी नहीं है तो भी वो भीड़ में ही खाली सवारी के नज़र आएंगे। दूसरे ई रिक्शा वाले चलते-चलते बिना सिग्नल दिये गाड़ी कहीं पर रोक देते हैं और चलते-चलते गाड़ी घुमा देते हैं । जिससे किसी भी दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। रोड के दोनों साइडों में सब्ज़ी, फल फ्रूट आदि चीज़ें बेचने वालों के ठेले लगे रहते हैं। इस बाज़ार में जाम से निजात कब मिलेगी कुछ नहीं कहा जा सकता।

मदरसा बोर्ड सचिव ने किया मदरसों का निरीक्षण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान मदरसा बोर्ड के सचिव चेतन चौहान ने अतिरिक्त मुख्य सचिव, अल्पसंख्यक मामलात विभाग अश्विनी भगत के निर्देशानुसार टोंक के निवाई स्थित मदरसों का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीतेश जैन, प्रोग्राम अधिकारी सहित मदरसे के सदर व शिक्षकगण उपस्थित रहे। मदरसा निरीक्षण के दौरान सचिव, राजस्थान मदरसा बोर्ड ने छात्र- छात्राओं को आगामी दिनों में होने वाली परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें मेहनत व लगन से तैयारी करने की प्रेरणा दी। उन्होंने बताया कि बच्चों के समग्र विकास के लिए मदरसा बोर्ड द्वारा मदरसा खेल महोत्सव, विज्ञान मेले, रंग- रोगन प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता जैसी गतिविधियां आयोजित करवाई जाती है।

राजस्थान पेंशनर्स मंच का एक दिवसीय सांकेतिक धरना

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पेंशनर्स मंच के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश जैन क्रांतिकारी के नेतृत्व में 25 अप्रैल को सरकार द्वारा आठवें वेतन आयोग का परिलाभ 31 मार्च के बाद सेवा निवृत्त होने वाले कर्मियों को नही देने की मंशा एवं पेंशन बंद की आशंका से आशंकित कर्मियों की समस्या निदान हेतु एक दिवसीय धरना दिया। क्रांतिकारी के आव्हान पर राजस्थान के हर जिले से पदाधिकारीगण धरना स्थल, शहीद स्मारक जयपुर पर एकत्रित हुए। क्रांतिकारी के अलावा हाल ही नवनियुक्त कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष डॉ अब्दुल मन्नान खान व राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल बारां के डीएम के पद से सेवानिवृत्त हुए एमएच खान राजस्थान पेंशनर्स मंच जयपुर जिलाध्यक्ष सहित अनेक वक्ताओं ने अपने विचार रखते हुए भविष्य में आने वाले कर्मचारी व सेवानिवृत कर्मचारियों की पेंशन पर होने वाले कुप्रभाव पर प्रकाश डाला। तथा ऐसा नहीं करने हेतु अन्य मांगों के साथ ज्ञापन दिया। वक्ताओं द्वारा ज्ञापन में दी गई मांगों को नही मानने पर आंदोलन के लिए सभी साथियों को तैयार रहने को कहा गया।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद ।

-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

विधायक बालमुकुंद आचार्य जयपुर की जनता को बांटना चाहते हैं !

भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव चल रहा है। पाकिस्तान आतंकियों ने 28 भारतीय पर्यटकों को, जो कश्मीर घूमने गए थे, को गोलियों से भून दिया। भारत के प्रधानमंत्री, गृहमंत्री सेना और देश की जनता गुस्से में है और पाकिस्तान से बदला लेना चाहते हैं। क्योंकि पाकिस्तान अपनी गंदी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। पाकिस्तान भारत से युद्ध में चार बार शिकस्त खा चुका है। फिर भी भारत को साजिशें रचकर नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता रहता है। आज देश की जनता के सभी वर्गों को पाकिस्तान के खिलाफ एकजुट होने की जरूरत है। देश के सभी धर्मों के लोग चाहे वे हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिक्ख एवं बोद्ध हो सभी देश की खातिर एकजुट है और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हुए हैं। देश की सभी विपक्षी पार्टिया और उनके नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पाकिस्तान के खिलाफ उठाए जाने वाले कड़े से कड़े कदमों में साथ देना का आश्वासन दिया है। देश के 25 करोड़ मुसलमान पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए मोदी के साथ खड़े दिखाई दे रहे हैं। देश नाजुक स्थिति में है, देश युद्ध के मुहाने पर खड़ा हुआ है। लेकिन देश में कुछ लोग नफरत की राजनीति करने, समाज में हिंदू मुस्लिम को आपस में लड़ाने का प्रयास कर रहे हैं। जयपुर में जनता के द्वारा चुने गए भाजपा के विधायक बाबा बालमुकुंद आचार्य को देश की नाजुक स्थिति में समाज की एकता, भाईचारा बढ़ाने का कार्य करना चाहिए लेकिन विधायक महोदय ने जयपुर की जामा मस्जिद के दरवाजे पर जाकर नारेबाजी की और पोस्टर चिपकाए हैं। बाबा यह क्यों भूल गए कि जामा मस्जिद मुसलमानों की इबादतगाह है पाकिस्तान भारत का बॉर्डर नहीं है। लेकिन भाजपा विधायक बालमुकुंद ने जयपुर के हिंदू मुस्लिम समाज को बांटने का प्रयास किया। जामा मस्जिद में घुसने, पोस्टर चिपकाने एवं नारेबाजी करने से जयपुर के मुसलमान और जामा मस्जिद कमेटी ने विरोध किया। एक बार तो आपस में टकराव की संभावना बन गई लेकिन जामा मस्जिद कमेटी, कांग्रेस के विधायक रफीक खान, अमीन कागजी एवं जयपुर पुलिस कमिश्नर और दूसरे आलाधिकारियों ने सूझबूझ से मामले को संभाल लिया। समझ में नहीं आ रहा है कि विधायक देश के जिम्मेदार पद पर रहते हुए जयपुर की जनता को बांटना क्यों चाहते हैं। विधायक जी को तो हिंदू मुस्लिम समुदाय के लोगों को संगठित करके पाकिस्तान के बॉर्डर पर कूच करना चाहिए लेकिन विधायक समय की नजाकत भी नहीं समझ पा रहे है कि देश हित में क्या अच्छा किया जा सकता है और क्या नहीं किया जा सकता है। विधायक के विधानसभा क्षेत्र में 1.25 लाख मुस्लिम मतदाता है। कहीं न कहीं उनकी जीत में मुसलमानों का बड़ा योगदान है। फिर भी विधायक जी हिंदू मुस्लिम की राजनीति से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। जबकि उनके क्षेत्र में विकास के काम काफी पेंडिंग पड़े हुए हैं।

हज की मुकम्मल तालीमात और अहम मसाइल

हज के तीन प्रकार होते हैं:
1- हज तमत्तुअ (Hajj At-Tamat-tu')
2- हज क़िरान (Hajj Al-Qiran)
3- हज इफ़राद (Hajj Al-If-raadh)

यहाँ हम हज तमत्तुअ (Hajj at-Ta-mattu') के बारे में बात करेंगे, क्योंकि यह सबसे ज़्यादा मुस्तहब (सिफ़ारिश शुदा) तरीक़ा है।

हज तमत्तुअ का तरीका:
इस किस्म के हज में, हज के महीनों (यानी शव्वाल, ज़िल-क़अद और ज़िल-हिज्जा की पहली नौ रातों) में 'उमराह अदा की जाती है, और फिर उसी साल हज किया जाता है। इस दौरान ईद-अल-अज़हा (10वीं ज़िल-हिज्जा) के दिन या तशरीक के दिनों (11वीं, 12वीं और 13वीं ज़िल-हिज्जा) में मिना में क़ुर्बानी करना लाज़िमी होता है। 'उमराह और हज के बीच हाजी एहराम से बाहर आकर आम ज़िंदगी गुज़ार सकता है। इस तरीक़े में तवाफ़ और सई (सफ़ा और मरवाह के बीच दौड़ना) दो बार करनी होती है — पहली बार 'उमराह के लिए और दूसरी बार हज के लिए।

हज का सफर:
1. एहराम: एहराम नीयत का नाम है कि कोई शख़्स 'उमराह, हज या दोनों के तमाम अरकान (रुक्न) अदा करेगा, और वह मीकात (मक्के के अलग-अलग रास्तों पर तय शुदा जगहें) से बाँधता है। एहराम बाँधने से पहले गुस्ल (पाकीज़गी के लिए नहाना), ख़ुशबू लगाना (जिस्म पर, कपड़ों पर नहीं), और दो टुकड़ों वाला बिना सिला हुआ सफेद कपड़ा पहनना मुस्तहब (पसंदीदा) है।

एक टुकड़ा बदन के ऊपर और दूसरा नीचे। ख़्वातीन एहराम के लिए कोई भी ढीले कपड़े पहन सकती हैं, लेकिन ख़ुशबू नहीं लगाएंगी और उनके कपड़े पूरे जिस्म को ढकने वाले होने चाहिएँ, सिर्फ़ चेहरा और हाथ खुले रहने चाहिएँ। फिर नीयत की जाती है, और हज तमत्तुअ के लिए यह कहा जाता है: "लब्बैक अल्लाहुम्मा 'उमराह" (अल्लाह! मैं 'उमराह अदा करने के लिए तेरी हाज़िरी पेश करता हूँ।)। एहराम बाँधने के बाद "तलबिया" बार-बार पढ़ना मुस्तहब है, यहाँ तक कि 10वीं ज़िल-हिज्जा को जिमरह अक़बा (सबसे बड़ी जमरह) पर पहली बार पत्थर मारने तक। तलबिया के अल्फ़ाज़ हैं: "लब्बैक अल्लाहुम्मा लब्बैक। लब्बैक ला शरीक लक लब्बैक। इन्नल-हम्दा वन्नि'मता लक वल-मुल्क। ला शरीक लक।" (हाज़िर हूँ ऐ अल्लाह! हाज़िर हूँ। तेरा कोई शरीक नहीं। यक़ीनन सारी तारीफ़ें और नेअमतें तेरे लिए हैं, और बादशाहत भी तेरे ही लिए है। तेरा कोई शरीक नहीं।)

मर्दों के लिए तलबिया ऊँची आवाज़ में पढ़ना मुस्तहब है और औरतों के लिए धीमे से।

2. तवाफ़:मक्का पहुँचने के बाद सबसे पहले काबा का सात चक्कर लगाना (तवाफ़ करना) ज़रूरी है, जोकि बाएं तरफ़ से शुरू होता है और काले पत्थर (हजर-ए-असवद) से शुरू और खत्म होता है। हर चक्कर के दौरान हजर-ए-असवद के सामने "तकबीर" (अल्लाहु अकबर) कहना चाहिए। इसके बाद "मक़ाम-ए-इब्राहीम" के पीछे दो रकअत नमाज़ पढ़ी जाती है — अगर पास न हो सके तो दूर से भी पढ़ सकते हैं, लेकिन काबा की तरफ़ रुख होना चाहिए।

3. सई (सफा और मरवाह के बीच दौड़ना): तवाफ़ के बाद सफा पहाड़ी पर जाकर काबा की तरफ़ मुँह करके अल्लाह की तारीफ़ करें, हाथ उठाएँ, तीन बार "अल्लाहु अकबर" कहें और दुआ करें। फिर सफा से उतरकर मरवाह की तरफ़ रवाना हों। हरे निशानों के बीच तेज़ चले और बाक़ी रास्ते आम रफ़्तार से चलें। मरवाह पर पहुँचकर भी वही अमल दोहराएं। सफा से मरवाह और मरवाह से सफा एक-एक चक्कर माना जाएगा। कुल सात चक्कर पूरे करना ज़रूरी है।

4. बाल मुँडवाना या कटवाना: सई के बाद 'उमराह मुकम्मल करने के लिए मर्दों को सर के बाल मुंडवाना या थोड़ा कटवाना ज़रूरी है। औरतों को उंगलियों के एक पोरे के बराबर बाल काटने हैं। इसके बाद एहराम की तमाम पाबंदियाँ खत्म हो जाती हैं और आम ज़िंदगी शुरू हो जाती है। (तवाफ़ और सई के दौरान कोई तयशुदा दुआ नहीं है; आदमी अल्लाह की तारीफ़, दुआ या कुरआन की तिलावत कर सकता है।)

हज का एहराम (8वीं ज़िल-हिज्जा को):
हज तमत्तुअ करने वाले हाजी को 8वीं ज़िल-हिज्जा (यानी यौमे-तरविया) के दिन अपने रहने की जगह से एहराम बाँधना चाहिए और सुबह के वक़्त मिना रवाना होना बेहतर है। मिना में 8वीं तारीख़ की ज़ुहर, असर, मग़रिब और ईशा और 9वीं तारीख़ की फ़ज्र की नमाज़ पढ़नी होती है। ज़ुहर, असर और ईशा की नमाज़ें दो-दो रकअत करके पढ़ी जाती हैं लेकिन एक साथ मिलाकर नहीं। फिर सूरज निकलने के बाद 'अरफ़ात के लिए रवाना होते हैं।

'अरफ़ात के लिए रवाना होना:
9वीं ज़िल-हिज्जा (यानी यौमे-'अरफ़ा) को, 'अरफ़ात के मैदान में सूरज डूबने तक ठहरना ज़रूरी है। वहाँ ज़ुहर और असर की नमाज़ें एक साथ ज़ुहर के वक़्त में पढ़ी जाती हैं, ताकि बाक़ी वक़्त अल्लाह की तस्बीह, दुआ और इस्तग़फ़ार में बिताया जा सके। हाजी को यह यक़ीन कर लेना चाहिए कि वह 'अरफ़ात की हदों में मौजूद है, चाहे वह 'अरफ़ात के पहाड़ पर खड़ा हो या मैदान में। सिर्फ एक लम्हे के लिए भी वहाँ रह जाना 'अरफ़ात की हाज़िरी के लिए काफ़ी है। रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया: "मैं यहाँ इस पत्थरीले टीले पर खड़ा हूँ, लेकिन पूरी 'अरफ़ात वुक़ूफ़ (ठहरने) की जगह है।" [मुस्लिम]। 'अरफ़ा के दिन की मशहूर दुआ: "ला इला हा इल्लल्लाहु वह्दहू ला शरीक लह, लहुल-मुल्कु वलहुल-हम्दु व हुवा 'अला कुल्लि शैइन क़दीर।" (अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वह अकेला है, उसका कोई शरीक नहीं। बादशाहत और तारीफ़ उसी के लिए है, और वह हर चीज़ पर क़ादिर है।)

मुज़दलिफ़ा के लिए रवाना होना:
सूरज डूबने के बाद, हाजियों को इत्मीनान और तस्ली से मुज़दलिफ़ा जाना चाहिए, जल्दबाज़ी से परहेज़ करना चाहिए। वहाँ जाकर मग़रिब और ईशा की नमाज़ें एक साथ पढ़ी जाती हैं — ईशा की नमाज़ दो रकअत में। फिर रात को वहीं क़याम करना होता है।

फ़ज्र की नमाज़ अदा करने के बाद, जब सुबह का उजाला फैल जाए, तब मिना के लिए रवाना होते हैं।

कमज़ोर औरतें और बूढ़े लोग आधी रात के बाद भी रवाना हो सकते हैं भीड़ से बचने के लिए।

मिना वापसी: जमरत अल-'अक़बा की रमी (पत्थर मारना): मिना पहुँच कर सबसे पहले बड़ी जमरह (जमरत अल-'अक़बा) पर सात कंकड़ मारने होते हैं। हर पत्थर फेंकते वक़्त "अल्लाहु अकबर" कहना चाहिए। पत्थरों का साइज़ चने के दाने जितना होना चाहिए, न ज़्यादा बड़ा और न छोटा। पत्थर मिना या मुज़दलिफ़ा से उठाए जा सकते हैं।

क़ुर्बानी करना: रमी के बाद क़ुर्बानी करना वाजिब है। या तो खुद जानवर ज़बह करे या किसी को वकील बनाए।

एक शख़्स एक दुम्बा या भेड़ क़ुर्बान कर सकता है, या सात लोगों के साथ मिलकर ऊँट या गाय का हिस्सा ले सकता है।

बाल मुँडवाना या कटवाना (दूसरी बार): क़ुर्बानी के बाद फिर से बाल मुंडवाए या थोड़े बाल कटवाए। मर्दों के लिए सर मुंडवाना अफ़ज़ल है। औरतें बस उंगलियों के एक पोरे के बराबर बाल काटें। यह तीन अमल — रमी, क़ुर्बानी और बाल मुँडवाना — इस क्रम से करना बेहतर है लेकिन अगर कोई अलग क्रम से करे तो भी कोई हरज नहीं।

तवाफ़ इफ़ाज़ा: यह हज का एक बुनियादी रुक्न है। इसमें मक्का लौटकर काबा का सात चक्कर लगाना होता है, और मक़ाम-ए-इब्राहीम के पीछे दो रकअत नमाज़ पढ़नी होती है।

इसके बाद सफा और मरवाह के दरमियान दोबारा सई करनी होती है। इस तवाफ़ के बाद हाजी पूरी तरह से एहराम से बाहर आ जाता है,

अब उस पर कोई पाबंदी बाक़ी नहीं रहती, यहां तक कि शौहर-बीवी के तअल्लुक़ात भी हलाल हो जाते हैं।तवाफ़ इफ़ाज़ा को मिना के दिनों के बाद तक भी टाला जा सकता है।

तशरीक के दिन मिना में क़याम:
11वीं, 12वीं और 13वीं ज़िल-हिज्जा को मिना में रहना मुस्तहब है। हर दिन ज़ुहर के बाद से आधी रात तक तीनों जमरात पर सात-सात पत्थर मारने होते हैं — छोटी, बीच वाली और फिर बड़ी जमरह पर — हर पत्थर पर "अल्लाहु अकबर" कहते हुए।अगर कोई चाहे तो 12वीं तारीख़ को ही मिना से मक्का लौट सकता है, लेकिन सूरज डूबने से पहले। अगर सूरज डूब जाए तो फिर 13वीं तारीख़ को रुककर रमी करनी ज़रूरी है।

विदाई तवाफ़ (तवाफ़ अल-विदा):
हज के सारे अरकान मुकम्मल करने के बाद, मक्का छोड़ने से पहले काबा का एक आख़िरी तवाफ़ करना वाजिब है जिसे तवाफ़ अल-विदा कहते हैं।

औरतों के हक़ में इस्लाम की सुनहरी तालीम

इस्लाम हमेशा से औरतों के हक़ूक़ (अधिकारों) के मामले में बहस का केंद्र रहा है। दुनिया में एक आम धारणा है कि इस्लाम औरतों को उनके बुनियादी हक़ से महरूम करता है। आलोचक अक्सर कहते हैं, "मुसलमान अपनी औरतों को कमतर समझते हैं और उनके समाज में मर्दवाद हावी है।" मगर मुसलमानों के लिए यह बात कड़वी ज़रूर है, क्योंकि जो कुछ उन्होंने पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम से सीखा है, वह इन धाराणाओं के बिल्कुल खिलाफ है। अगर इस्लाम के शुरुआती दौर को देखा जाए, तो वही हज़रत मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम थे जिन्होंने औरतों के हक़ के लिए अंधेरे दौर में चिराग़ की तरह रोशनी फैलाई। एक ऐसे समाज में जहाँ औरतों की तालीम का कोई रिवाज नहीं था, पैग़ंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने औरतों की तालीम के लिए आवाज़ उठाई। उनकी बीवी, हज़रत आयशा रज़ियल्लाहु अन्हा, उस दौर की सबसे तालीमयाफ्ता हस्तियों में से थीं। वह कुरआन, हदीस, तिब्ब और अरब इतिहास में इतनी माहिर थीं कि उस वक़्त के ज़्यादातर मर्द भी उनका मुक़ाबला नहीं कर सकते थे। हज़रत आयशा रज़ियल्लाहु अन्हा ने 2000 से ज़्यादा हदीस बयान की हैं। औरतों की तालीम पर ज़ोर देने का ही नतीजा था कि फातिमा अल-फिहरी ने दुनिया की पहली यूनिवर्सिटी अल-क़रावीयिन यूनिवर्सिटी (859 ईस्वी में फेज़, मोरक्को) क़ायम की। रुफैदा अल-अस्लमिया रज़ियल्लाहु अन्हा इस्लाम की पहली नर्स थीं जिन्होंने साइंस और मेडिसिन के मैदान में क़ाबिले-तारीफ़ काम किया। ख़ौला बिन्त अल-अजवार रज़ियल्लाहु अन्हा और नुसैबा बिन्त काअब रज़ियल्लाहु अन्हा जैसी ख़्वातीन भी थीं जिन्होंने बहादुरी के जौहर दिखाए। इस्लाम ने तालीम को हर मर्द और औरत पर फ़र्ज़ (ज़रूरी) कर दिया। पैग़ंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फ़रमाया: "कोई बाप अपने बच्चे को अच्छी तालीम से बेहतर कोई चीज़ नहीं दे सकता।" यह हिदायत बेटों और बेटियों दोनों के लिए थी। किसी भी समाज में तरक़्क़ी मुमकिन नहीं जब औरतें तालीम से पीछे रह जाएँ। माँ की भूमिका बच्चे की परवरिश में अहम होती है, इसलिए माँ की तालीम से समझौता करना पूरे समाज के मुस्तक़बिल से समझौता करने जैसा है।

पैग़ंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने बच्चियों को ज़िंदा दफ़्न करने की जहालत भरी रस्म को सख़्ती से मना किया। उन्होंने बेटियों को घर की इज़्ज़त और फ़ख़्र बताया और फ़रमाया: "खुशक़िस्मत है वह औरत जिसकी पहली औलाद बेटी हो।" उन्होंने बेटियों की परवरिश में नरमी और अच्छे सुलूक की तालीम दी। पैग़ंबर ने फ़रमाया:"जिसके यहाँ बेटी पैदा हो और वह उसे ज़िंदा रखे, उसकी तौहीन न करे और बेटों को उस पर तरजीह न दे, अल्लाह तआला उसे जन्नत में दाखिल करेगा।" एक और हदीस में फ़रमाया: "जिसके तीन बेटियाँ हों और वह उनकी अच्छी देखभाल करे, रहम करे, और उनकी मदद करे, उसके लिए जन्नत वाजिब है।"

पैग़ंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम को अपनी बेटी हज़रत फ़ातिमा रज़ियल्लाहु अन्हा से बेहद मोहब्बत थी। वह फ़रमाते: "फ़ातिमा मेरा हिस्सा है, जो उसे नाराज़ करेगा वह मुझे नाराज़ करेगा।"

जब भी हज़रत फ़ातिमा उनके पास आतीं, वह उठकर उनका इस्तक़बाल करते, उनके हाथ चूमते और उन्हें अपनी जगह बिठाते।उनका अपनी बेटी के साथ यह व्यवहार दुनिया भर के लोगों के लिए मिसाल बना। उस दौर में जब औरतों को विरासत में हिस्सा नहीं मिलता था, पैग़ंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने औरतों का मीरास (विरासत) में हिस्सा फ़र्ज़ कर दिया। नतीजतन अरब में बहुत सी मुसलमान औरतें कामयाब ताजिरा बनीं। उस दौर में जहाँ जबरदस्ती निकाह आम था, वहाँ पैग़ंबर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने ज़बरदस्ती के निकाह को अमान्य करार दिया।

उन्होंने मर्दों को हिदायत दी: "तुम में सबसे बेहतरीन वह है जो अपनी बीवी के साथ सबसे अच्छा बर्ताव करता है।" पैग़ंबर खुद अपनी बीवी हज़रत आयशा रज़ियल्लाहु अन्हा के साथ नर्मी और मुहब्बत से पेश आते, यहाँ तक कि उन्हें अपने हाथ से निवाला खिलाते। क़ुरआन में अल्लाह फ़रमाता है:"और उसकी निशानियों में से है कि उसने तुम्हारे लिए तुम्हीं में से जोड़े बनाए ताकि तुम उनके पास सुकून पाओ। और उसने तुम्हारे बीच मुहब्बत और रहमत पैदा कर दी।" (सूरह अर-रूम 30:21)। पैग़ंबर सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने माँ के मक़ाम को भी बहुत ऊँचा दर्जा दिया। एक सहाबी ने पूछा: "सबसे ज़्यादा हक़दार मेरे अच्छे सुलूक का कौन है?" पैग़ंबर ने तीन बार फ़रमाया:"तुम्हारी माँ।"फिर चौथी बार फ़रमाया: "फिर तुम्हारे बाप।" क़ुरआन में भी माँ-बाप के साथ अच्छा सुलूक करने का हुक्म दिया गया है: "और हमने इंसान को अपने माँ-बाप के साथ भलाई करने का हुक्म दिया।

उसकी माँ ने तकलीफ पर तकलीफ उठाकर उसे पेट में रखा और तकलीफ से उसे जन्म दिया..." (सूरह अल-अहकाफ़ 46:15) इल्म (ज्ञान) वह पानी है जो जहालत (अज्ञानता) की आग को बुझाता है। पैग़ंबर मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने अपनी पूरी ज़िंदगी औरतों के हक़ूक़ के लिए आवाज़ बुलंद की। यह बात बिल्कुल वाज़ेह है कि उन्होंने किस तरह की क़ीमती तालीम दी और किस तरह का रास्ता दुनिया के सामने पेश किया, जिससे पूरी इंसानियत को रोशनी मिली।

जालिम का कोई मजहब नहीं

हमारे मुल्क में जन्नत कहलाने वाले कश्मीर के पहलगाम मे घटित आतंकी घटना से आज पूरा मुल्क दुखी है, परेशान है आक्रोशित है। पूरा कश्मीर अपनी नम आँखों से शहीदों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं वयक्त कर रहा है। मोदी सरकार द्वारा इस आतंकी घटना के बाद लिए गए सभी कडे फैसलों की सराहना की जानी चाहिए और मैं हुकुमत की जानिब से लिए गए सभी फैसलों पर अपनी खुशी वयक्त करता हूं। मीडिया मे चल रही न्यूज और डिबेट देख कर यहां हमे यह भी याद रखना चाहिए कि उन आतंकवादियो ने हमारे लोगों को मारते हुए मजहब पूछा, कलमा पढ़ने के लिए कहा और यह मजहब पूछ कर गोली मार दी गई और उन औरतों को छोड़ दिया गया जिसके पीछे उनका जो मकसद नजर आता है। वो साफ तौर पर समझा जा सकता है कि उनका बेगुनाह निहत्थे लोगों के कत्ल के साथ साथ हमारे मुल्क के अमन, भाइचारे के माहौल को खत्म करना है। कश्मीर की शांति को खत्म करना है, इस मुल्क मे कश्मीरी अवाम के प्रति, मजहब ए इस्लाम के प्रति नफरत फैलाना है। लेकिन उनकी इन साज़िशों को कश्मीर की अवाम ने कामयाब नहीं होने दिया। हमले मे टूरिस्ट्स को बचाने के लिए सैयद आदिल हुसैन अपनी जान का नजराना पेश कर देता है और टूरिस्ट्स की जान बचाते हुए शहीद हो जाता है। ठीक उसी तरह छत्तीसगढ़ के एक कपड़ा व्यापारी नजाकत अली द्वारा 11 लोगों की जान बचाई जाती है। ठीक इसी तरह एक कश्मीरी मुस्लिम ड्राइवर आदिल द्वारा भी लोगों की जान बचाने की जद्दोजहद की जाती है। यह सब वीडियो जिनकी घटना मे जान बचाई गई उनके द्वारा जारी हुए और सोशल मीडिया पर जारी हुए। ठीक इसी तरह पहलगाम और कश्मीर की मस्जिदों को अवाम की मदद के लिए खोल दिया। मस्जिदों से घटना की कड़ी मजम्मत का एलान हुआ, वहाँ की अवाम की जानिब से केंडल मार्च निकाला गया। यह सब साफ तौर पर दिखलाती है कि पूरे मुल्क का मुसलमान इस घटना की कड़ी मजम्मत करता है, और अपनी नम आँखों से शहीदों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना वयक्त कर श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। लेकिन बावजूद इन सब के जब कुछ मीडिया चैनल द्वारा किसी खास मजहब के लोगों को टार्गेट करते हुए एक उसके मानने वाले सभी लोगों के प्रति नफरत बढ़ाने, मजहब को बदनाम करने का नेरेटिव चलाया जाता है तो दिल दुखी भी होता है। मजहब ए इस्लाम की तालीम मे साफ तौर पर मुसलमानों का यह ईमान है कि जिसने किसी एक बेगुनाह का कत्ल किया। उसने पूरी इंसानियत का कत्ल किया और जिसने किसी एक बेगुनाह को बचाया उसने पूरी इंसानियत को बचाया, जिस मजहब मे जालिम के खिलाफ इसके जुल्म को रोकने का साफ तौर पर हुक्म दिया गया हो, वहाँ आप कुछ घटनाओ और कुछ जालिमों को आधार बना कर पूरे मजहब और उसके मानने वालों को कठघरे मे खड़ा नहीं कर सकते हैं। अगर आप ऐसा कर रहे हैं तो यह याद रखे कि आप उन आतंकवादियों के मकसद को पूरा कर रहे हैं जिसके लिए उन्होंने घटना को अंजाम दिया और जान बुझ कर इस तरह का संदेश दिया, मजहब पूछ कर कत्ल किया। जालिम का कोई मजहब नहीं होता है जो इंसान निहत्थे, बेगुनाह लोगों पर गोलियां बरसाता है वो तो मेरी निगाह मे इंसान भी नहीं है, मैं उसे शैतान कहूँगा और शैतान का कोई मजहब नहीं होता है। आपको यहां यह भी याद रखना चाहिए कि आज कश्मीर की अवाम सबसे ज्यादा दुखी हैं उनके पास अपनी जीविका चलाने, अपने बच्चों का पालन पोषण करने के लिए उनका रोजगार पूरी तरह से टूरिज्म पर टिका हुआ है। आज पूरी कश्मीर घाटी मौन है, सुनसान है, शांत है दुखी हैं, परेशान है। वहाँ की अवाम पूरी तरह से शांति चाहती है और पूरी आवाम मुल्क हिन्दस्तान के साथ खड़ी है। और यह सब चीजे नापाक मुल्क पाकिस्तान को, वहाँ के दहशतगर्द लोगों को हजम नहीं हो रही है। इसीलिए हमे भी कश्मीर की अवाम के प्रति अपना नजरिया बदलना पड़ेगा हमे खुद अपनी जन्नत को बचाना है। उसे बर्बाद नहीं होने देना है। जब सोनमर्ग मे हज़ारों लोग फंसे हुए थे तब यही कश्मीरी लोग अपने घरों, मस्जिदों, दरगाहों, और अपने दिलों के दरवाजे खोल कर अपने मुल्क की अवाम के साथ खड़े हो जाते हैं। पूरे मुल्क मे हर मुस्लिम नौजवान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए से इस घटना की मजम्मत की है। पूरा मुल्क अपनी नम आँखों से अपने शहीद परिवारों के प्रति अपना दुख वयक्त कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है। हर जालिम को अपने जुल्म की सजा भुगतनी है, इस दुनिया मे भी और आखिरत मे भी, खुदा की अदालत मे भी वो बच नहीं सकते हैं। दहशतगर्द लोगों को जितनी सख्त सजा दे सकते हैं, देना चाहिए और पूरी दुनिया से आंतक का, दहशत गर्दी का खात्मा होना चाहिए। मैं अपनी जानिब से अपनी नम आँखों के साथ देश के हर नागरिक जो शहीद हुए हैं उनके प्रति, उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त कर, ईश्वर से कामना करता हूं कि ईश्वर आपको इस मुश्किल घड़ी मे इस बड़े दुख को, दर्द को सहन करने की शक्ति प्रदान करे।

हैदर अली अंसारी

हज ए बैतुल्लाह: इस्लाम का अहम फ़र्ज़

हज, बैतुल्लाह (काबा) का सफर इस्लाम का एक अहम फरज़ है। यह एक ऐसा आयोजन है जिसमें दुनियाभर से लोग इकट्ठा होते हैं, चाहे वह अपने देश का हज टर्मिनल हो या जेद्दाह का एयरपोर्ट। हज के दौरान हमें हर वक्त एक-दूसरे का आदर करना चाहिए, चाहे हम मक्का में चढ़ते वक्त हों, उतरते समय या फिर काबा का तवाफ करते हुए। यह समय आत्म-शिक्षा और धर्म की सच्ची समझ हासिल करने का होता है। हज के दौरान किसी भी प्रकार की लड़ाई-झगड़ा, गाली-गलौज या खराब भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। हमें अपनी प्रतिक्रिया और शब्दों में संयम रखना चाहिए, क्योंकि हज असल में एक प्रशिक्षण है और झगड़े से आत्म-संयम की साधना नष्ट हो जाती है।

असल में हज, इस्लाम के सबसे महत्वपूर्ण फराइज़ में से एक है, जिसकी अनिवार्यता क़ुरान, हदीस और उम्मत के इत्तिफ़ाक़ से साबित होती है। इस विषय में अल्लाह ने अपने अंतिम संदेश में कहा (सूरा आल-इमरान 96-97): "बेशक, सबसे पहली इबादतगाह जो इंसानों के लिए बनाई गई थी वह वही है जो मक्का में स्थित है। यह एक बाबरकत जगह है और दुनिया भर के लोगों के लिए एक मार्गदर्शन का केंद्र बना है। इसमें खुली हुई निशानियाँ हैं, इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) का मकाम-ए-इबादत है, और इसे जो इसमें दाखिल हो जाता है, वह महफूज हो जाता है।" जो व्यक्ति हज की सफर करने की सामर्थ्य रखता है, उसे हज करने का हुक्म है। और जो इस आदेश को मानने से इनकार करता है, उसे यह जानना चाहिए कि अल्लाह दुनिया के सभी लोगों से बेपरवाह है। यह आयत हमें यह बताती है कि काबा की कितनी अहमियत है, यह न केवल दुनिया भर के लोगों के लिए मार्गदर्शन है, बल्कि यह बरकत का भी स्रोत है। इसमें इब्राहीम (अलैहिस्सलाम) का स्थान-ए-इबादत भी है और यह वह स्थान है, जहां जाकर लोग सुरक्षा और शांति पाते हैं। हज की अहमियत इस हद तक है कि जो व्यक्ति हज की सफर करने की सामर्थ्य और अवसर के बावजूद इसे नहीं करता, उसे अल्लाह की कृपा से वंचित समझा जाता है। जैसे हज़रत अबू हुरैरा (रज़ी अल्लाहु अन्हु) से हदीस है कि नबी (सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम) ने फरमाया: "अल्लाह ने तुम पर हज को फर्ज किया है, फिर भी अगर तुम इसे न करो, तो तुम जाओ और मरो, चाहे यहूद हो या नसरानी, जो चाहे वह हो जाओ" (बुखारी और मुस्लिम)।

हज की अहमियत और फरज़ियत से संबंधित कई हदीसें और क़ुरआनी आयतें हमें यह सिखाती हैं कि हज करने की जरूरत और इसकी अहमियत बहुत ज्यादा है। हज, सिर्फ एक शारीरिक सफर नहीं है, बल्कि यह एक रूह का सफर है, जहां हमें अपने आप को पाक करना और अल्लाह के साथ अपने रिश्ते को मजबूती से जोड़ना होता है। जैसे ही हज की सफर के बारे में फैसला लें, तो हमें यह याद रखना चाहिए कि हज की सफर पाक दिल मन और पाक रूह के साथ करनी चाहिए, क्योंकि इस सफर का मकसद अल्लाह की रज़ा और अपनी रूह का सुधार है।

माँ की बददुआ और बेटे की इबादत

मुस्लिम शरीफ जिल्द सानी सफा नं 313 पर एक हदीस है, जिसका हासिल यह है कि हजरत अबू हुरेरा रजि.अ.रिवायत नकल करते हैं कि अल्लाह के रसूल स.अ.व ने फरमाया कि बनी इसराईल में एक जरीह नामी बुजुर्ग थे। एक मर्तबा वोह अपने इबादत खाने में नमाज पढ़ रहे थे, अचानक उनकी वालिदा आयी और पुकारने लगी ए जरीह ए जरीह, मगर चूंकि जरीह, नमाज में मसरूफ थे, इसलिये कोई जवाब नहीं दिया, मॉ वापस चली गयी, फिर दूसरे और तीसरे रोज भी यही मामला पेश आया, माँ ने ए जरीह ए जरीह कह कर पुकारा जवाब नहीं मिला, तो माँ ने बददुआ की अल्लाह जब तक यह जानिया औरत का मुंह ना देखले ना मरे। बहरहाल रफ्ता-रफ्ता जरीह का इबादत में बहुत चर्चा हो गया कि बड़े आबिद है, जाहिद हैं मुत्तकी और परहेजगार है, चुनाचे एक आवारा हसीन तरीन औरत जरीह के पास इबादत खाने में पहुंची और जरीह नामी बुजुर्ग को अपनी खुवाहिश के जाल में फंसाना चाहा, बुजुर्ग जरीह तो कब्जे में ना आया मगर एक चरवाहा इबादत खाने में रहता था उसको फंसा लिया, और उससे बुरा काम (ज़िना) कर लिया, चुनान्चे वह औरत हामिला हो गई, और उसने कुच्छ दिनो के बाद एक लड़का जना, तो उसने लोगो से कहा कि यह लड़का जरीह बुजुर्ग से है, मखलूक (लोग) जमा हो गयी, आनन फानन में उन्होंने इबादतखाने को गिरा दिया और जरीह नामी बुजुर्ग को खूब जदोकोब किया, खूब मारा, हजरत जरीह समझ गये कि यह मेरी वालिदा की बददुआ का असर है, मगर यह भी ख्याल करते थे कि मैं नमाज में मशगूल था इस वजह से बारी ता आला मुझे ज़रूर खुलासी और निजात देंगे। बहरहाल जब लोगो की भीड़ इकट्ठी हो गयी, मारपीट होती रही, खानकाह को तहस नहस कर दिया गया तो जरीह ने जुरअत और हिम्मत के साथ लोगो के मजमें से खिताब या, और कहा कि क्या बात है? क्यूँ जरीह को मार रहे हो, मेरी क्या गलती है, तो लोगो ने कहा तूने इस औरत से जिना किया है, जिसके नतीजे में लड़का पैदा हुआ है, जरीह ने कहा वोह लड़का कहां है उसको लाओ, बहरहाल उस बच्चे को लाया गया, जरीह ने दो रकअत नमाज पढ़ कर उस बच्चे के पेट पर उगंली रखकर कहा बतला तेरा बाप कौन है ? बच्चा बोला कि फलाँ चरवाहा है, तमाम लोग नादिम व शर्मिंदा हुये, और बकमाले अदब जरीह नामी बुजुर्ग को कहने लगे कि अगर आप फरमाये तो आपका इबादतखाना सोने का बनवादे, आप (जरीह) ने कहा नही वैसा ही मिट्टी का बनवादो। बहरहाल जरीह बुजुर्ग माँ की बात ना सुनने की जहमत आखों से देख ली, इसलिये मेरे अजीज़ो ! माँ की बात का फौरन जवाब देना चाहिये नफिल नमाज पढ़ रहे हो, माँ ज्यादा परेशान नजर आरही है तो नफिल नमाज की नियत तोड़ कर जवाब दे दो वोह नफिल दुबारा अदा करलो, हां फर्ज नमाज है तो पूरी करके वालिदा से मिलो उसके हुक्म को सुनो और उसकी फरमॉबरदारी करो। माँ बाप की इताअत बहुत जरूरी है, माँ के पैरो तले जन्नत है। और बाप जन्नत का दारोगा है, हमें हर हाल में दोनों माली व बदनी खिदमत करनी चाहिए। अल्लाह हम सबको वालदेन की खिदमत दिलो जान से करने की तौफीक अता करमाये, आमीन !

मुस्लिम रिश्तें

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

Sunni Muslim Girl 32/5.3”/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6”/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2”/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3”/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3”/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5”/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है । संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli , Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

Baran Based 27/5.4/B.Tech., M.Tech. Girls, Working as a Civil Enginear With a Private Firm At Gurgaon. Father Bussiness Man, Mother House Wife, Elder Brother is Govt Doctor, Well Settled Family, Required Well honest Settled, Honest Life partner. Contact – 9829068455

RRB ALP भर्ती 2025: 9970 सहायक लोको पायलट पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

नई दिल्ली, 12 अप्रैल 2025: रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने सहायक लोको पायलट (ALP) के 9970 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 12 अप्रैल 2025 से 11 मई 2025 तक RRB की आधिकारिक वेबसाइट, www.rrbapply.gov.inके माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: सहायक लोको पायलट (ALP)
कुल पद: 9970

आवश्यक योग्यता:
किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री
डिप्लोमा या ITI (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) में 2 वर्षीय कोर्स

आयु सीमा (01 जुलाई 2025 के अनुसार):
न्यूनतम आयु: 18 वर्ष
अधिकतम आयु: 30 वर्ष
(आरक्षित श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आयु में छूट)

आवेदन शुल्क:
सामान्य / OBC / EWS: ₹500

SC / ST / ESM / महिला / EBC: ₹250
(आवेदन शुल्क ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से)

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ तिथि: 12 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 11 मई 2025 (रात्रि 11:59 बजे तक)
परीक्षा तिथि: शीघ्र घोषणा की जाएगी

भर्ती प्रक्रिया:
उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन परीक्षा और दस्तावेज़ सत्यापन के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा की तारीख और अन्य जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी।

राजस्थान लोक सेवा आयोग में जूनियर केमिस्ट के 13 पदों पर भर्ती, ऑनलाइन आवेदन 8 मई तक

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने जूनियर केमिस्ट (Junior Chemist) के 13 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 09 अप्रैल 2025 से 08 मई 2025 तक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा और दस्तावेज़ सत्यापन के आधार पर किया जाएगा।

पद का विवरण:
पद का नाम: जूनियर केमिस्ट
कुल पद: 13
शैक्षणिक योग्यता: M.Sc (रसायन विज्ञान या संबंधित क्षेत्र)
आयु सीमा: 21 से 40 वर्ष (01-01-2026 को आधार मानते हुए)
आयु में छूट: नियमानुसार मान्य

आवेदन शुल्क:
सामान्य / अन्य राज्य: ₹600
OBC / MBC / SC / ST: ₹400
संशोधन शुल्क: ₹500
भुगतान मोड: ऑनलाइन माध्यम

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 09 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 08 मई 2025

आवेदन कैसे करें:
RPSC की आधिकारिक वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
“Recruitment Portal” सेक्शन में जाकर संबंधित विज्ञापन संख्या 02/2025-26 को चुनें।
रजिस्ट्रेशन कर आवेदन पत्र भरें और सभी जरूरी दस्तावेज़ अपलोड करें।
आवेदन शुल्क का भुगतान कर सबमिट करें और भविष्य के लिए प्रिंटआउट सुरक्षित रखें।

राजस्थान में कॉन्स्टेबल की 9617 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल के 9000 से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 28 अप्रैल 2025 से की जाएगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

पद : कॉन्स्टेबल

आवेदन शुरु :
28 अप्रैल से 17 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास। राजस्थान 12वीं लेवल CET परीक्षा पास होना चाहिए

शारीरिक योग्यता :
हाइट : पुरुषों की हाइट 168 सेमी और महिलाओं की हाइट 152 सेमी होनी चाहिए।
छाती : पुरुषों की सीना 81 सेमी और फूलने के बाद 86 सेमी होना चाहिए।
दौड़ : पुरुषों को 25 मिनट में 5 किमी और महिलाओं को 35 मिनट में 5 किमी दौड़ना होगा।

एज लिमिट :
जन्मतिथि की न्यूनतम तारीख 1 जनवरी 2008 और पुरुषों के लिए अधिकतम तारीख : 2 जनवरी 1999 और महिला ड्राइवरों के लिए 2 जनवरी 1994 होनी चाहिए।

अन्य सभी पद :
न्यूनतम जन्मतिथि 1 जनवरी 2008 और अधिकतम जन्मतिथि पुरुषों के लिए 2 जनवरी 2002, महिलाओं के लिए 2 जनवरी 1997 होनी चाहिए।
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
फिजिकल टेस्ट
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

फीस :
सामान्य व क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग/ राजस्थान से बाहर के आवेदक : 600 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर/ एससी/ एसटी : 400 रुपए

सैलरी :
मैट्रिक्स लेवल - 5 के अनुसार

एग्जाम पैटर्न :
लिखित परीक्षा ओएमआर बेस्ड होगी।
प्रश्न पत्र 150 अंकों का होगा।
इसमें 150 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे।
हर प्रश्न का सही उत्तर देने पर 1 अंक दिया जाएगा।
गलत उत्तर देने पर 25% अंक काटा जाएगा

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाएं।
Recruitment सेक्शन में जाकर “Constable Recruitment 2025” लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स भरकर डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

309 एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (JE ATC) पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने 07 अप्रैल 2025 को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर 309 जूनियर एग्जीक्यूटिव (Air Traffic Controller) पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 25 अप्रैल 2025 से 24 मई 2025 तक www.aai.aero पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: JE (Air Traffic Controller)
कुल पद: 309

शैक्षणिक योग्यता:
B.Sc (Physics and Mathematics विषयों के साथ) या
B.Tech / B.E किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से

आयु सीमा (24 मई 2025 तक):
अधिकतम आयु: 27 वर्ष
नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

आवेदन शुल्क:
सामान्य / ओबीसी / EWS उम्मीदवार: ₹1,000 (GST सहित)
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / महिला / दिव्यांग / AAI में 1 वर्ष का अप्रेंटिसशिप कर चुके उम्मीदवार: शुल्क में छूट

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 25 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 24 मई 2025

चयन प्रक्रिया:
AAI द्वारा चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन परीक्षा, दस्तावेज़ सत्यापन, और वॉयस टेस्ट / मेडिकल टेस्ट शामिल हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु आधिकारिक अधिसूचना पढ़ना अनिवार्य है।सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

आधिकारिक वेबसाइट: www.aai.aero

रेलवे में 9900 पदों पर निकली भर्ती; 10 अप्रैल से शुरू आवेदन, 10वीं पास करें अप्लाई

रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट के 9900 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

पोस्ट : 9900 पदों पर
पद : असिस्टेंट लोको पायलट

आवेदन शुरु:
10 अप्रैल से 9 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई की डिग्री
अन्य पदों के लिए इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 30 वर्ष
आयु की गणना 1 जुलाई 2025 को आधार मानकर की जाएगी।
सभी आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम उम्र में छूट दी गई है

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, सभी महिला : 250 रुपए

सैलरी :
19,900 रुपए प्रतिमाह
सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी फर्स्ट और सीबीटी सेकेंड एग्जाम
सीबीएटी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

एग्जाम पैटर्न :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम सीबीटी फर्स्ट में मैथ्स, मानसिक योग्यता, सामान्य विज्ञान और सामान्य जागरूकता से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे।
हर प्रश्न एक अंक का होगा जिसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट दिए जाएंगे।
सीबीटी सेकेंड एग्जाम पार्ट 1 में गणित, जनरल इंटेलिजेंस व रीजनिंग, बेसिक साइंस और इंजीनियरिंग से संबंधित 100 प्रश्न पूछे जाएंगे।
इसे सॉल्व करने के लिए 90 मिनट का टाइम मिलेगा।
पार्ट 2 में टेक्निकल से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट का समय दिया जाएगा।
सीबीटी एग्जाम में नेगेटिव मार्किंग एक तिहाई रहेगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
रजिस्ट्रेशन फीस जमा करें।
फाइनल सब्मिट कर सेव कर लें या प्रिंटआउट ले लें।

राजस्थान में जूनियर केमिस्ट की भर्ती; एज लिमिट 40 साल, पीजी फाइनल ईयर स्टूडेंट को भी मिलेगा मौका

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने जूनियर केमिस्ट भर्ती 2025 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। 9 अप्रैल को आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरु :
9 अप्रैल से 8 मई 2025 तक

कैटेगरी वाइस वैकेंसी डिटेल्स :
सामान्य (यूआर) : 06
ईडब्ल्यूएस : 01
अनुसूचित जाति : 02
अन्य पिछड़ा वर्ग : 03
अति पिछड़े वर्ग : 01
कुल पदों की संख्या : 13

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से केमिस्ट्री में एमएससी की डिग्री
राजस्थान के कल्चर का नॉलेज
संबंधित विषय से पीजी फाइनल ईयर डिग्री के छात्र-छात्राएं भी अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को आरपीएससी की ओर से कंडक्ट कराए जाने वाले इंटरव्यू से पहले डिग्री हासिल करने का प्रूफ देना होगा।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
आरपीएससी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल - 12 के अनुसार

फीस :
सामान्य : 600 रुपए
ओबीसी/बीसी : 400 रुपए
एससी/एसटी : 400 रुपए

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
शैक्षणिक योग्यता की मार्कशीट
उम्मीदवारों का आधार कार्ड
जाति प्रमाण पत्र
मूल निवास प्रमाण पत्र
उम्मीदवार की पासपोर्ट साइज फोटो
उम्मीदवार के सिग्नेचर
मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट पोर्टल में जूनियर केमिस्ट के लिए अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
आवेदन फॉर्म में पूछी गई सभी जानकारी दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

BPNL भर्ती 2025: पंचायत पशु सेवक और अन्य पदों के लिए अधिसूचना जारी

शैक्षणिक योग्यता :
1. मुख्य परियोजना अधिकारी (सीपीओ)
किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से एमवीएससी/एमबीए/सीएस/सीए/एम.टेक/एम.एससी.
2. जिला विस्तार अधिकारी (डीईओ)
किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विषय में स्नातक।
3. तहसील विकास अधिकारी (टीडीओ)
अभ्यर्थियों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से किसी भी विषय में 12वीं (+2) उत्तीर्ण होना चाहिए।
4. पंचायत पशु सेवक (पीपीएस)
अभ्यर्थियों को किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10वीं पास होना चाहिए।

बीपीएनएल भर्ती 2025 चयन प्रक्रिया:
बीपीएनएल भर्ती 2025 अधिसूचना के अनुसार आवेदन करने वाले उम्मीदवारों का चयन निम्नलिखित प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा
ऑनलाइन टेस्ट
दस्तावेज़ सत्यापन (डीवी)

बीपीएनएल भर्ती 2025 रिक्ति विवरण:
1. मुख्य परियोजना अधिकारी - 44 पद
2. जिला विस्तार अधिकारी - 440 पद
3. तहसील विकास अधिकारी - 2,121 पद
4. पंचायत पशु सेवक - 10,376 पद
कुल - 12,981 पद

बीपीएनएल भर्ती 2025 आयु सीमा:
* मुख्य परियोजना अधिकारी - 40 से 65 वर्ष
* जिला विस्तार अधिकारी - 25 से 40 वर्ष
* तहसील विकास अधिकारी - 21 से 40 वर्ष
* पंचायत पशु सेवक - 18 से 40 वर्ष

बीपीएनएल भर्ती 2025 महत्वपूर्ण तिथियां:
आवेदन की अंतिम तिथि - 11 मई 2025
ऑनलाइन टेस्ट तिथि - जल्द ही अधिसूचित की जाएगी

बीपीएनएल भर्ती 2025 आवेदन शुल्क :
मुख्य परियोजना अधिकारी - 1534/-
जिला विस्तार अधिकारी - 1180/-
तहसील विकास अधिकारी - 944/-
पंचायत पशु सेवक - 708/-

बीपीएनएल भर्ती 2025 वेतन विवरण:
1. मुख्य परियोजना अधिकारी - रु. 75,000/- प्रति माह
2. जिला विस्तार अधिकारी - रु. 50,000/- प्रति माह
3. तहसील विकास अधिकारी - रु. 40,000/- प्रति माह
4. पंचायत पशु सेवक - रु. 28,500/- प्रति माह

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी भर्ती 2025 - 06 मई से पहले 182 इंजीनियर, कार्यकारी पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (NGEL) ने इंजीनियर और एग्जीक्यूटिव के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। कुल 182 रिक्तियों के लिए ऑनलाइन आवेदन 16 अप्रैल 2025 से 06 मई 2025 तक स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार ngel.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

महत्वपूर्ण तिथियां:
आवेदन शुरू होने की तिथि: 16 अप्रैल 2025
आवेदन करने की अंतिम तिथि: 06 मई 2025

रिक्तियों का विवरण:
इंजीनियर (आरई-सिविल): 40 पद
इंजीनियर (आरई-इलेक्ट्रिकल): 80 पद
इंजीनियर (आरई-मैकेनिकल): 15 पद
इंजीनियर (आरई-आईटी): 4 पद
इंजीनियर (आरई-सी एंड एम): 10 पद
एग्जीक्यूटिव (आरई-एचआर): 7 पद
एग्जीक्यूटिव (आरई-फाइनेंस): 26 पद

पात्रता:
इंजीनियर पदों के लिए, संबंधित क्षेत्र में बीई/बीटेक की डिग्री 60% अंकों के साथ होनी चाहिए (आरक्षित वर्गों के लिए 50%).
एग्जीक्यूटिव (आरई-फाइनेंस) पद के लिए, सीए/सीएमए की डिग्री और फाइनेंस/अकाउंट्स में 1 साल का अनुभव आवश्यक है.
आयु सीमा अधिकतम 30 वर्ष है.

चयन प्रक्रिया:
कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी), अनुभव का मूल्यांकन, व्यक्तिगत साक्षात्कार.

आवेदन कैसे करें:
ngel.in पर जाएं और करियर अनुभाग पर जाएं.
वैध ईमेल आईडी का उपयोग करके पंजीकरण करें.
ऑनलाइन आवेदन पत्र भरें.
ऑनलाइन भुगतान गेटवे के माध्यम से शुल्क का भुगतान करें (यदि आवश्यक हो).
आवेदन पर्ची डाउनलोड करें और अपने पास रखें.

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी:
अधिक जानकारी के लिए, ngel.in पर अधिसूचना देखें.
यह भर्ती एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (NGEL), एनटीपीसी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी द्वारा की जा रही है.

कर्मचारी राज्य बीमा निगम में 558 पदों पर भर्ती

कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) की ओर से स्पेशलिस्ट ग्रेड-2 के पदों पर भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए उम्मीदवारों को ऑफलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन की आखिरी तारीख असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्पीति जिले, चंबा जिले के पांगी उप-मंडल, और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए 2 जून 2025 तय की गई है।

आवेदन शुरू : 26 अप्रैल से 26 मई तक

वैकेंसी डिटेल्स:
स्पेशलिस्ट ग्रेड II (Sr. Scale) : 155 पद
स्पेशलिस्ट ग्रेड 2 (Jr. Scale) : 403 पद
कुल पदों की संख्या : 558

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
एमडी/ एमएस/ एमसीएच/ डीएम/ डीए/ एमएससी/ डीपीएम के साथ संबंधित क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री।
3 से 5 साल का वर्क एक्सपीरियंस

एज लिमिट :
अधिकतम 45 साल
अधिकतम उम्र में उम्मीदवारों को छूट दी जाएगी।

सैलरी :
पद के अनुसार 67,700 - 78,800 रुपए प्रतिमाह
इसके अलावा अन्य अलाउंस भी दिए जाएंगे

फीस :
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस (पुरुष) : 500 रुपए
एससी/एसटी/दिव्यांग/महिलाएं/ईएसआईसी कर्मचारी/पूर्व सैनिक : निःशुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू के बेसिस पर।

रेलवे में अप्रेंटिस के 933 पदों पर निकली भर्ती; बिना एग्जाम के सिलेक्शन

साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे (SECR) की ओर से आरआरसी नागपुर डिवीजन में अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार अप्रेंटिसशिप पोर्टल apprenticeshipindia.gov.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यह भर्ती कॉन्ट्रैक्ट बेस के लिए की जाएगी।

आवेदन शुरु :
5 अप्रैल से 4 मई 2025 तक

डिवीजन वाइस वैकेंसी :
नागपुर डिवीजन : 858
वर्कशॉप मोतीबाग : 75
कुल पदों की संख्या : 933

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
संबंधित विषय में आईटीआई डिप्लोमा

एज लिमिट :
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
एससी, एसटी को 5 साल की छूट दी जाएगी
ओबीसी को 3 साल की छूट दी जाएगी

स्टाइपेंड
एक वर्ष आईटीआई कोर्स करने वाले उम्मीदवारों को 7700 रुपए प्रतिमाह सैलरी मिलेगी।
दो वर्षीय आईटीआई करने वाले उम्मीदवारों को 8050 रुपए प्रतिमाह सैलरी मिलेगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

हेल्थ टिप्स

सेहत के लिए वरदान है गुलाब की चाय

भारत में कई लोग दूध और पत्ती वाली चाय पीते हैं। लेकिन क्या आपने कभी गुलाब की चाय पीकर देखी है? गुलाब का फूल देखने में जितना खूबसूरत लगता है, सेहत के लिए भी उतना ही ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि गुलाब के फूल से बनी चाय न केवल आपकी फिजिकल हेल्थ के लिए बल्कि आपकी मेंटल हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकती है।

वेट लॉस में असरदार हर्बल टी
गुलाब की चाय पीकर आप अपनी बॉडी के मेटाबॉलिज्म को काफी हद तक बूस्ट कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो आप रोज टी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक लो कैलोरी वाली इस चाय को कंज्यूम करना आपकी गट हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

बूस्ट करे इम्यून सिस्टम
गुलाब की चाय पीने से इम्यूनिटी को भी काफी हद तक बूस्ट किया जा सकता है। सर्दी-खांसी की समस्या से राहत पाने के लिए भी आप रोज टी का सेवन कर सकते हैं। गुलाब की चाय में पाए जाने वाले तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाकर हार्ट रिलेटेड डिजीज के खतरे को कम करने में मददगार साबित हो सकते हैं। इसके अलावा अगर आप अपने मूड को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो भी गुलाब की चाय पी सकते हैं।

गुलाब की चाय की रेसिपी
रोज टी बनाने के लिए सबसे पहले

पानी को अच्छी तरह से उबाल लीजिए। अब बॉइल्ड वॉटर में सूखी हुई गुलाब की पत्तियों को एड कर पैन को 5 मिनट के लिए ढककर रख दीजिए। अब आप इस हर्बल टी को एक कप में छान लीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आप इस चाय में शहद को भी मिला सकते हैं।

तरबूज खाने के फायदे, तरीके और सही समय क्या है?

गर्मियों में हमें अपनी सेहत पर खास ध्यान देना पड़ता है। इस उमस भरे मौसम में हमारे शरीर में पानी की कमी न हो इसलिए डॉ. पानी पीने के आलावा पानी वाले फलों को खाने की सलाह देते हैं। पानी वाले फलों की बात करें तो इस मौसम में तरबूज का सेवन जमकर किया जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट की मानें तो गर्मियों में हर किसी को तरबूज खाना चाहिए। इसके सेवन से आपकी सेहत को कई फायदे मिलते हैं। लेकिन क्या आप तरबूज खाने का सही समय और तरीका जानते हैं। चलिए हम आपको इसे खाने का सही तरीका और टाइम बताते हैं।

तरबूज खाने से मिलते हैं ये फायदे
पोषक तत्वों से भरपूर तरबूज के ढेरों फायदे होते हैं। गर्मियों में तरबूज जोड़ों के दर्द को कम करने में बेहद लाभकारी है। इसके सेवन से आपको तुरंत ऊर्जा मिलती है। तरबूज खाने से बॉडी हाइडट्रेटेड रहती है और शरीर की थकान दूर होती है। साथ ही इसका सेवन आपके तनाव को भी कम करने में मदद करता है। इसके सेवन से पेट की कई समस्याओं जैसे गैस, एसिडिटी और कब्ज से छुटकारा मिलता है। साथ ही खून की कमी होने पर इसका जूस आपके लिए फायदेमंद है।

क्या है तरबूज खाने का सही तरीका?
•तरबूज खाने के बाद आपको तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए। दरअसल, इस फल में 96 % पानी होता है इसलिए इसे खाने के तुरंत बाद पानी पीने से आपकी पाचन क्रिया पर बुरा प्रभाव पड़ता है। साथ ही पेट में इन्फेक्शन होने का भी खतरा भी बढ़ जाता है।
•तरबूज के साथ किसी दूसरी चीज़ों का सेवन न करें। इसके साथ अन्य खाद्य पदार्थों का मिलाकर सेवन करने से आपको एसिडिटी और अपच जैसी परेशानियां हो सकती हैं।
•तरबूज खरीदने के बाद कभी भी तुरंत इसका सेवन नहीं करना चाहिए। इसे पहले कुछ देर पानी में डुबोकर रखें उसके बाद इसे खाएं। तरबूज को काटने के बाद फ्रिज में स्टोर करके न रखें इससे आपको फायदे की जगह नुकसान होगा।
•बेहतरीन लाभ के लिए ताजे तरबूज का ही सेवन करना चाहिए। तरबूज को बीज के साथ खाने से भी फायदा होता है।

क्या है तरबूज खाने का सही समय
•सुबह से लेकर दोपहर तक आप तरबूज खा सकते हैं, यह समय इस फल के सेवन के लिए बिल्कुल सही है
•सुबह खाली पेट तरबूज खाएं, यह आपके पेट के लिए फायदेमंद है।
•सुबह नाश्ते के रूप में आप इसका सेवन कर सकते हैं।
•रात के समय तरबूज खाना आपकी सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है।

अंता फाटक वाले बाबा का उर्स संपन्न

-राज्य मंत्री डॉ. खानू खान बुधवली ने की शिरकत

अंता,(रॉयल पत्रिका)। हिंदू - मुस्लिम कौमी एकता के प्रतीक हजरत शहंशाह इकरामुद्दीन रहे. अलेह (फाटक वाले बाबा) के 18वें उर्स का समापन कुल की रस्म के साथ हुआ।

उर्स कमेटी के सदर दानिश खान ने बताया कि रात्रि में अजीमुश्शान कव्वाली प्रोग्राम का आयोजन हुआ जिसमें रेडियो टी. वी सिंगर जुबैर नईम अजमेरी ने शानदार कलाम पेश किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान वक्फ बोर्ड के चेयरमैन (राज्य मंत्री) डॉ .खानू खान बुधवाली और अध्यक्षता पीस मिशन के प्रदेश अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू ने की।

राज्य मंत्री डॉ. खानू खान बुधवाली ने संबोधित करते हुए कहा कि उर्स में हिंदू - मुस्लिम का अनोखा संगम और भाईचारा देख मन बहुत खुश हुआ, अनेकता में एकता ही हमारी ताकत है और संस्कृति रही है। लंगर में एक पत्तल में साथ खाना, गरीबों और अहसाय लोगों की खिदमत, धार्मिक कार्यक्रमों में एकता का संदेश और कुल के रंग में साथ भीग जाना ही हमारी संस्कृति है, जो हमें हमारे बुजुर्गों ने विरासत में दी है। इसे निरंतर निभाते रहें और भाईचारे में मजबूती लाते रहें और कश्मीर पहलगाम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

वही अध्यक्षता कर रहे नियाज़ अहमद निक्कू ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इसकी हम कड़े शब्दों में मजम्मत करते हैं और जवाबी कार्यवाही की मांग करते हैं।

प्रोग्राम ऑर्गनाइजर शेख आरिफ अनवर ने उर्स समापन के दौरान उर्स में तशरीफ लाए जायरीनों और अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय संयोजक व गुजरात प्रभारी इंजी. इंसाफ अली आजाद, मिट्ठे महावली दरगाह सदर अरबाज खान, बारां वक्फ चेयरमैन इरफान अंसारी, बूंदी वक्फ चैयरमेन इकरामुद्दीन बबलू, छबड़ा वक्फ चेयरमैन साजिद खान, कोटा वक्फ वाइस चेयरमैन अफरोज खान, सरपस्त अखलाक हुसैन, नायब सदर शेरू खान, एस.आई मोहम्मद हुसैन, महावीर प्रसाद शर्मा, मुख्तयार खान, निसार खान, सदाकत अली (बब्बर), शोएब खान सोनू, राजा रंगरेज, शरजील असवद सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

हज पर जाने वाले जायरीनों से मुल्क में अमन-चैन की दुआ की गुजारिश:- हाजी मोहम्मद सलीम

-बारां में हज टीकाकरण व प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

शब्बीर हुसैन अंसारी

बांरा, (रॉयल पत्रिका)। स्टेट हज कमेटी के तत्वावधान में हज 2025 के मुकद्दस सफर पर जाने वाले हाजियों का तरबीयती व टीकाकरण शिविर मंगलवार को बाबा फूल पीर साहब स्थित जमात खाने में आयोजित किया गया। प्रोग्राम में राजस्थान स्टेट हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक, समाजसेवी व स्टेट हज कमेटी द्वारा नियुक्त प्रशिक्षक हाजी सलीम भाई बीड़ी वाले व हाजी लियाकत अली मेव के नैतृत्व में बारां जिले से हज पर जाने वाले 37 हाजियों का वेक्सिनेशन, टीकाकरण किया गया तथा सभी हाजियों को पोलियो की दवा भी पिलाई गई। मेडिकल टीम द्वारा डॉक्टर मुश्ताक अहमद अंसारी व डॉक्टर शामिख अंसारी के नेतृत्व में नर्सिंग ऑफिसर रईस अहमद अंसारी, शाहिद खान, गुलशन आरा एएनएम ने हाजियों के टीके लगाए व दूसरी कागजी कार्यवाही पूरी की। हज कमेटी की ओर से आयोजित टीकाकरण एवं प्रशिक्षण केम्प में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मजीद मलिक कमांडो, वक्फ बोर्ड कमेटी बारां के चेयरमैन इफरान अंसारी, अंजुमन सदर माजिद सलीम, ईदगाह सदर सद्दाम हुसैन अंसारी, मौलाना आजाद मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष शेख बहादुर, खेरुन्निसा एजुकेशनल एंड वेलफेयर

सोसायटी के अध्यक्ष हाजी वकार अहमद, पूर्व वक्फ कमेटी चेयरमैन हुसैन पठान, पंचायत श्योपुरियांन अंसारी के सदर हाजी इकबाल अंसारी, पूर्व सदर अब्दुल अजीज अंसारी, एडवोकेट रईस हाशमी सहारा, डॉ. हमीद मांगरोल, सईद अंसारी, इकबाल नेता, मुन्ना पठान ने हज पर जाने वाले हाजियों को मुबारकबाद दी।

शिविर के दौरान शराफत हुसैन कोटा व मुफ्ती शाहिद साहब मांगरोल ने अहराम बांधने का तरीका व हज के अरकान समझाये। हज के सफर के दौरान आने वाली परेशानियों से बचने और तमाम अरकान को सही तरीके से अंजाम देने का तरीका बताया। हाजियों को हज गाईड व मार्ग दर्शिका देकर फूल मालाओं से स्वागत् कर सभी को मुबारकबाद पेश की।

शिविर में अल- फलाह ट्रस्ट कोटा की जानिब से मेडिकल किट व डॉक्टर शकील अहमद मांगरोल की जानिब से भी मेडिकल किट हाजियों की सहूलियत के लिए दिए गए। प्रोग्राम में हाड़ौती एज्युकेशन वेलफेयर सोसायटी द्वारा भी खिदमत दी गई। प्रोग्राम में हाजी इकबाल मेडिकल वाले, पार्षद असगर अली मांगरोल, अखलाक अहमद अंसारी मांगरोल, हाजी जमील अहमद, वसीम अहमद अंसारी मांगरोल, मास्टर मोहम्मद रफीक, इजहार अंसारी मांगरोल, असगर अली उर्फ सोहेल, हाजी शकील अहमद, हज खिदमतगार लईक अहमद अंसारी, आरज़ू अंसारी, इकबाल अंसारी मांगरोल, मोहम्मद इलियास, इकबाल रीगल, शोएब अख्तर, ताहिर अंसारी ने अपनी खिदमत अंजाम दी। प्रोग्राम का संचालन हाजी लियाकत अली मेव ने किया। अंत में राजस्थान स्टेट हज कमेटी के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक ने सभी हाजियों और प्रोग्राम को सफल बनाने वाले साथियों का शुक्रिया अदा किया।

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए बेगुनाह लोगों के लिए वेलफेयर पार्टी ने की शोकसभा

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए बेगुनाह पर्यटकों के लिए वेलफेयर पार्टी ऑफ़ इंडिया कोटा इकाई द्वारा शुक्रवार को पार्टी कार्यालय राज की हवेली, मक़बरा में एक शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा को सम्बोधित करते हुए ज़िला महासचिव मुहम्मद ख़ालिद ने कहा कि पहलगाम में मारे गए बेगुनाह पर्यटकों के साथ हमारी संवेदनाएं हैं, पर्यटकों पर हमला सुरक्षा में भारी चूक है, जिसकी ज़िम्मेदारी गृह मंत्री को लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हम सरकार से मांग करते हैं कि हमले के ज़िम्मेदार आतंकवादियों को सख़्त से सख़्त सज़ा दी जाए । शोक सभा में ज़िलाध्यक्ष आसिफ हुसैन, पार्षद मोहम्मद आसिम ने भी सम्बोधित किया। शोक सभा में सैफुल्लाह ख़ान, जावेद अख़्तर अंसारी,अशफाक़ अंसारी, मोहम्मद इरफान, जावेद कागज़ी सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

आचार्य महेश भाई तेहरिया ने भागवत कथा के दौरान फिरोज खान वारसी का किया स्वागत

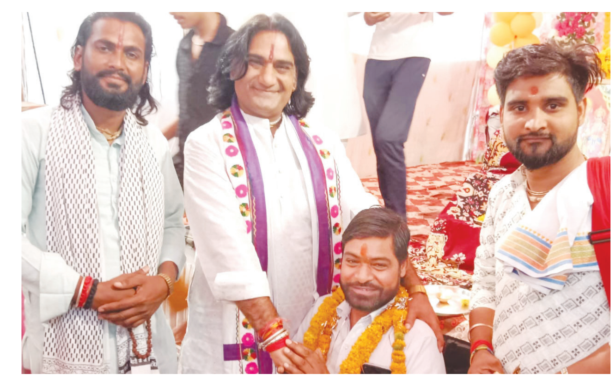

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ शहर के मोटर गैराज इलाके में इन दिनों संगीत मय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस मोंके पर कथा वाचक आचार्य महेश भाई तेहरिया के मुखारविंद से वाणी की अमृत वर्षा की जा रही है,जहां प्रति दिन सैकड़ों श्रद्धालु कथा का आनंद ले रहे हैं, 24 अप्रैल को यहां भारतीय समाज सेवा संस्था के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी ने शिरकत की, उन्होंने यहां पहुचकर हिन्द मुस्लिम एकता का संदेश दिया, इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष फिरोज खान वारसी का आयोजक समिति एवं कथा वाचक महेश भाई तेहरिया ने स्वागत किया, इस दौरान,सनातन धर्म प्रचारक आचार्य महेश भाई तेहरिया ने कहा कि 18 साल पहले से फिरोज खान वारसी से व्यवहार है, 18 साल पहले भी फिरोज खान वारसी को अग्रवाल सेवा सदन झालावाड़ में आयोजित कथा के दौरान सम्मानित किया गया था आज फिर इस अवसर का आनंद लेने का मौका मिला है,फिरोज खान वारसी ने भी आयोजक समिति एवं आचार्य महेश भाई तेहरिया का धन्यवाद किया।

जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय बारां पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी केकेसी पदाधिकारियों का हुआ स्वागत

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी के निर्देशानुसार कांग्रेस पार्टी को मजबूती देने और अल्पसंख्यक विभाग में सक्रिय सदस्यों की नियुक्ति के लिए प्रदेश प्रभारी अब्दुल कलाम व प्रदेशाध्यक्ष आबिद कागजी ने प्रदेश के विभिन्न जिलों के दौरे करके फीडबैक लिया।

इसी कड़ी में बारां जिले के दौरे पर रहने के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी बारां के कार्यालय पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ताओं की बैठक में सभी को तन मन से पार्टी के लिए खड़े होने की अपील की। प्रोग्राम

में एसडीपीआई राजस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवम् वर्तमान प्रदेश काँग्रेस कमेटी (केकेसी) के वाईस चेयरमेन मोहम्मद रिजवान खान भी कांग्रेस में शामिल होने के बाद पहली बार बाँरा पहुँचे, जिनका पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रमोद जैन भाया ने साफ़ा व शाल ओढ़ाकर स्वागत किया। उनके साथ एसडीपीआई छोड़ कर कांग्रेस पार्टी ज्वाइन करने वाले केकेसी कांग्रेस के प्रदेश महासचिव यूनुस अगवान, प्रदेश सचिव अशफ़ाक ख़ान बालाखेड़ा, प्रदेश सदस्य फ़िरोज़ अंसारी, अशरफ़ गौरी वार्ड पंच बालदडा का भी पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया ने माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हाड़ौती की अज़ीम शख्सियत एड. मोहम्मद अशफ़ाक भाईजान की बेगम का इंतकाल

-पूर्व मंत्री व कोटा उत्तर एम एल ए शांति धारीवाल ने भी घर पहुंच कर खिराजे अकीदत पेश की

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। हाड़ौती की अज़ीम शख्सियत एडवोकेट मोहम्मद अशफ़ाक भाईजान की बेगम का 21 अप्रैल को कोटा में इंतकाल हो गया।

उनके इंतकाल की खबर सुनते ही सब मिलने जुलने वालो में गमगीन माहौल हो गया। सभी ने उनके जनाजे व सोयम की फातिहा में शामिल होकर उन के लिए दुआएं मगफिरत की व उनके परिवार वालों को हिम्मत बंधाई, जिनमें मुख्य रूप से पूर्व मंत्री व कोटा उत्तर एम एल ए शांति धारीवाल, बारां काजी अब्दुल कय्यूम, सर्वोदय ग्रुप चेयरमैन गफ्फार मिर्जा, प्रगति ग्रुप चेयरमैन डॉ. जफर मोहम्मद, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता इंसाफ आजाद, अल बयान ग्रुप चेयरमैन नईम फलाही, आल इंडिया मोमिन कांन्फ्रेंस प्रदेश अध्यक्ष रज़ाक अंसारी, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सलीम शेरी पत्रकार, जिला अध्यक्ष नजमुद्दीन अंसारी, हाड़ौती अंसारियान कमेटी 24 खेड़ा अध्यक्ष कलाम अंसारी सीसवाली, अंजुमन अंसार ट्रस्ट कोटा अध्यक्ष शुजाउद्दीन अंसारी, पूर्व अध्यक्ष जावेद इकबाल, अल फलाह सोसायटी अध्यक्ष साबिर खिल्जी, इरफान खिल्जी, अंसारी वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष सिराज अंसारी, पार्षद सोनू अब्बासी, अल फलाह ट्रस्टी किफायत शेख, आल राजस्थान जुलाहा अंसारी समिति सेक्रेट्री मुख्तार अंसारी, पूर्व पार्षद जरगाम अहमद, डॉ. नासिर खान जयपुर, खलील खान, रिजवान खान बाल्दडा, पूर्व वक्फ कमेटी अध्यक्ष अज़ीज़ अंसारी, घोंसी समाज प्रदेश अध्यक्ष उमरउद्दीन रिजवी, एड. नाजिमुद्दीन सिद्दीकी, एड.अंसार इन्दोरी, पंचायत अंसारियान समिति खजांची मास्टर रिजवान अंसारी, सरपरस्त करीम अंसारी, अलिमुद्दीन मुन्ना टेलर, सदाकत नेशनल टेलर, मुर्तजा लिबास टेलर, वेलफेयर फोरम अध्यक्ष डॉ. सिद्दीक अंसारी, जमील बेग, हाफिज यामिन, इमाम नूर मोहम्मद, हाफिज महमूद, इस्हाकिया मस्जिद अध्यक्ष सईद खान, खलिलुद्दीन इंजी, दार अल अरकम ग्रुप से डॉ. सिद्दीक खान, डॉ. अब्दुल रब, डॉ. रईस खान, डॉ. मुस्तफा बोहरा, डॉ. मंजूर अंसारी, मदीना मस्जिद सदर सलाम अंसारी, मुकर्रम हुसैन, मुकर्रिब हुसैन, मुफक्किर हुसैन, मुशर्रफ हुसैन, मुफर्रिज हुसैन, इजी. नासिर अंसारी, चांद अंसारी, सलाम अंसारी,इक़बाल अंसारी, तोफीक अहमद, रईस खिल्जी, फिरोज खान, सुल्तान खिल्जी, मोहम्मद हनीफ अन्नू बाबा अंता अशफ़ाक गुड् अंता, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नाहिदा बेगम मांगरोल, मंसूर अली मांगरोल, एडिशनल चीफ इंजीनियर एजाजुद्दीन अंसारी बूंदी, नवाब अली कालपा, पूर्व वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन साजिद सलीम, बारां अंजुमन अध्यक्ष माजिद सलीम, उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, खजांची अशफ़ाक राईन, नायब सेक्रेट्री गयासुद्दीन सप्पू, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अब्दुल वहीद बर्तन वाले, अंजुमन इत्तेहाद बाहमी सेक्रेट्री आबिद अंसारी, वसीम अहमद, अब्दुल मतीन, शकील अहमद, मोहम्मद अखलाक रुपया बीड़ी, इलियास ईमाम, शुजाउद्दीन काजी, एड. महमूद हसन, एड. असलम भारती, एड. महावीर जैन, एड. सत्येन्द्र शर्मा, एड. प्रियदर्शन शर्मा, मुन्ना वेल्डर, अल फातेहान कमेटी से मुन्ना पठान, मास्टर शराफत खान, शरफुद्दीन खान, सलाम कादरी, इरफान अशरफी, शेख बहादुर, रहीम खान बर्तन वाले, रईस अवाम, नासिर खान बंटी, मोहम्मद अशफ़ाक, सीसवाली से पूर्व ईदगाह सदर मोहम्मद हुसैन, तालिब अंसारी, नाजिद अंसारी व अन्य लोग ने परिवार को हिम्मत दी। भाईजान के बेटे एड. नवीद अशफ़ाक रज़ा (भाईजान) व पोते मोहम्मद शाद अशफ़ाक रज़ा ने सभी का शुक्रिया अदा कर दुआओं की गुज़ारिश की।

प्रस्तावित दो न्यायालय के लिए चिन्हित भूमि का जिला न्यायाधीश ने किया निरीक्षण

डॉ. तोहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी में प्रस्तावित दो न्यायालय एडीजे व एसीजेएम के नये भवन के लिए प्रस्तावित भूमि का शुक्रवार को जिला एवं सेशन न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास ने निरीक्षण किया। वर्तमान परिसर में खाली पड़ी चिन्हित भूमि सहित अन्य प्रस्तावित भूमि का जिला एवं सेशन न्यायाधीश सत्यनारायण व्यास द्वारा शुक्रवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश शैलेश झरिया, तहसीलदार नेहा वर्मा, अभिभाषक परिषद के अध्यक्ष चन्दन गुप्ता, सचिव प्रदीप अहीर के साथ निरीक्षण किया। परिषद के सचिव प्रदीप अहीर ने बताया कि रामगंजमंडी में दो न्यायालय भवन का निर्माण प्रस्तावित है जिसके लिए अभिभाषक परिषद द्वारा वकीलों, पक्षकारों कर्मचारियों की सुविधा को देखते हुए वर्तमान परिसर में ही बनवाने की मांग को लेकर आन्दोलन किया था। परिषद के पदाधिकारी राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर भी गये थे व आन्दोलन के दौरान वकीलों द्वारा महापंचायत भी बुलाई गई थी। जिसमें हाड़ौती की कई अभिभाषक परिषद के पदाधिकारियों ने भाग लिया था। जिला एवं सेशन न्यायाधीश द्वारा अनुमोदित भूमि पर दोनों न्यायालय भवन निर्माण हेतु भूमि आवंटित करने बाबत आन्दोलन के दौरान हुए समझौते पर सहमति बनी थी। शुक्रवार को जिला एवं सेशन न्यायाधीश ने वर्तमान परिसर में खाली पड़ी भूमि सहित अन्य चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मारूफ अली, हेमन्त जैन, रोहित पाटीदार, रियाज आर्मी, कमलेश मेहरा, अनवर अली, साहिल खान, कानूनगो रवि जैन मौजूद थे।

देश में आतंकवाद का खात्मा सबसे पहली जरूरत - प्रशान्त भारद्वाज

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान परस्त आतंकियों द्वारा हमले में दिवंगत सैलानियों की आत्म-शांति के लिए कैंडल मार्च निकाला और आतंकवाद के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

जिला कांग्रेस महासचिव संगठन कैलाश जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष सेवादल अशरफ देशवाली ने संयुक्त बयान दिया कि पहलगाम हमले से पूरा देश विचलित है, और पूरे देश में आतंकवाद के खिलाफ आक्रोश है। इसी क्रम में शहर कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेस के पदाधिकारीगण और कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यालय श्रीजी चौक से प्रताप चौक तक कैंडल मार्च निकाला।

कैंडल मार्च के बाद कांग्रेसजनों ने शहरवासियों के साथ आतंकवाद का जमकर विरोध किया, जिसमें कार्यकर्ता पाकिस्तान के खिलाफ जमकर बरसे।

कार्यकर्ताओं और मीडिया को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस

कमेटी अध्यक्ष प्रशान्त भारद्वाज ने बताया कि आतंकवादियों ने धर्म के नाम पर निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाकर बर्बरता की सारी हदें पार कर दी हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि ऐसे कायराना हमलों के दोषियों को कठोर से कठोर सजा दी जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हो। इसके लिए सभी धार्मिक स्थलों व पर्यटन स्थलों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाए। इस दौरान नगर परिषद उपसभापति नरेश गोयल पैंतरा, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा, हेमलता सोन, नवीन सोन, पार्षद पुरुषोत्तम नागर, पार्षद जाकिर खान, पार्षद हरीराम ऐरवाल, खेमराज सिंह रहलाई, अक्षय भूमलिया, अंकुर सक्सेना, मानस सोनी, भंवरसिंह राठौड़, लवी शर्मा, रोहित गुर्जर, रवि भूमलिया, रवि पुजारी, अजय सैनी, साजिद हुसैन, ऋतिक शर्मा, अक्षय भूमलिया समेत कई कांग्रेसजन एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पहलगाम घटना के विरोध में रामगंजमंडी के बाजार रहे बंद, पाकिस्तान के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

सुकेत/रामगंजमंडी, (रॉयल पत्रिका)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में रामगंजमंडी के बाजार बंद रहे। हिंदू संगठन और व्यापारी संगठनों ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया और आतंकवाद का पुतला जलाया इस घटना के विरोध में प्रदर्शन हुए जिसमें लोगों ने सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की पहलगाम घटना के विरोध में लोगों का आक्रोश साफ दिखा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को निर्दोष पर्यटकों पर हुआ आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार को रामगंजमंडी के बाजार बंद रहे हिंदू संगठनों ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया व्यापारियों ने बाजार बंद कर अपना आक्रोश व्यक्त किया सुबह 11 - बजे स्टेशन चौराहे पर व्यापारी सामाजिक राजनीतिक और हिंदू संगठनों के लोग एकत्र हुए प्रदर्शनकारियों ने बैनर और तख्तियां लेकर आक्रोश रैली निकाली रैली स्टेशन चौराहे से बाजार नंबर 7 अंबेडकर चौराहा बाजार नंबर 3 से होते हुए शहीद पन्ना लाल चौराहे तक

पहुंची सरकारी - कुआं चौराहे पर पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला दहन किया गया प्रदर्शनकारियों ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए दो मिनट का मौन रखा। उन्होंने सरकार से हमले के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की प्रदर्शन में पालिकाध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल हिंदू जागरण मंच संयोजक संदीप गुप्ता भाजपा जिला महामंत्री नरेंद्र राजा कमल गुर्जर पूर्व पालिकाध्यक्ष विजय गौतम भाजपा नेता नितिन शर्मा व्यापारी सुरेश लूथरा संजय पतीरा ब्रजेश पोरवाल अशोक अग्रवाल समेत सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए प्रदर्शनकारियों ने तहसीलदार नेहा वर्मा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम ज्ञापन सौंपा हिंदू संगठनों का कहना था। कि ऐसी घटनाओं पर चुप रहना राष्ट्र के प्रति उदासीनता है उन्होंने देश की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की वहीं बाजार संघ के एक बयान में कहा गया "बंद का उद्देश्य आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों के लिए न्याय की मांग करना और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का प्रदर्शन करना है कस्बा सुकेत में भी आंतकवाद के खिलाफ प्रदर्शन कर आंतकवाद का पुतला जलाय।

पहलगाम आतंकी हमला: शोक की घड़ी में एकजुटता और सख्त कार्रवाई की मांग

-एसडीपीआई बारां ने केंडल जला कर खिराजे अकीदत पेश कर अंजुमन चौराहे पर शहीदों को श्रदांजलि दी

बारां,(रॉयल पत्रिका)। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयानक आतंकी हमले में बेगुनाह लोगों की मौत से पूरा देश बेहद दुखी और चिंतित हैं। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया बारां इकाई द्वारा बुधवार को शहर के अंजुमन चौराहे पर कैंडल जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू ने कहा कि बैसरान घाटी में शांतिपूर्ण घूमने आए सैलानियों पर यह कायराना हमला कई परिवारों को उजाड़ गया। हम पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और इस दुख की घड़ी में जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ खड़े हैं इस पूरे हमले की साजिश को अंजाम देने वालों को उन्हीं की भाषा में देश जवाब दे ताकि उन आतंकियों को देश में फूड डालने का अंजाम पता लग सके। प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर

रंगरेज ने कहा कि हम मांग करते हैं कि इस घिनौने हमले की पूरी तरह से जांच हो, ताकि असली गुनहगारों को पकड़ा जा सके और उन्हें सख्त से सख्त सजा दी जाए। जिन्होंने इस हमले को अंजाम दिया या इसमें मदद की, उन्हें कानून के तहत कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए। हम सरकार से अपील करते हैं कि सुरक्षा में हुई किसी भी चूक को ठीक किया जाए और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं। देश की जनता इंसाफ और सुरक्षा की उम्मीद कर रही है। खिराजे अकीदत पेश करने में एसडीपीआई जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू, प्रदेश कोषाध्यक्ष जाकिर रगरेज़, महासचिव अलीम मंसूरी, हाजी अशफाक, हाजी वहीद चने वाले, इरशाद अंसारी, गुलशेर, नदीम, वसीम शैख, रईस अहमद, समीर, वसीम मंसूरी, शेर अली, मुश्ताक अंसारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सुकेत पुलिस की अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही

डॉ. तोहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। सुकेत थाना क्षेत्र में अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक रेती के डंपर सहित अभियुक्त गिरफ्तार ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि कस्बा सुकेत में अवैध मादक पदार्थ जुआं सट्टा अवैध खनन की रोकथाम हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत पुलिस थाना सुकेत के द्वारा अवैध खनन के खिलाफ कार्यवाही कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। सुजीत शंकर पुलिस अधीक्षक जिला कोटा ग्रामीण के निर्देशानुसार रामकल्याण मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जिला कोटा ग्रामीण के सुपरविजन में घनश्याम मीणा वृताधिकारी वृत रामगंजमंडी के निर्देशन में छोटूलाल थानाधिकारी थाना सुकेत के नेतृत्व में थाना स्तर पर विशेष टीम का गठन किया गया। जिस पर टीम द्वारा कड़ी मेहनत लगन एवं आसूचना संकलन कर कस्बा सुकेत में अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण कर कार्यवाही के अभियुक्त राजमल पुत्र प्यारेलाल जाति प्रजापत उम्र 31 साल निवासी गणेशपुरा घरानवद थाना भवानीमण्डी जिला झालावाड को शनिवार को सुकेत से गिरफ्तार किया गया। जिससे पुछताछ एवं अनुसंधान जारी है पुलिस टीम में छोटूलाल थानाधिकारी राकेश शर्मा करतार राजेश नरेश कुमार (आसूचना अधिकारी) शामिल रहे।

"इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, चूरू" ने पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को कैंडल मार्च कर श्रद्धांजलि अर्पित की

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित वीरगति स्मारक (शहीद स्मारक) पर सर्वे मुस्लिम समुदाय द्वारा गठित इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी चूरू द्वारा पहलगाम में आतंकियों द्वारा पर्यटकों की निर्मम हत्या करने के विरोध में कैंडल मार्च निकाल कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सोसायटी के जिलाध्यक्ष शौक़त अली खां झारिया (रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर) ने मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए आतंकियों द्वारा निहत्थे, मासूम पर्यटकों पर इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की और सरकार से इन आतंकियों पर कठोर कार्यवाही करने की मांग की।

जनरल सेक्रेटरी डॉक्टर फकरुल हसन गौरी ने मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक़ाकुल परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की,और सर्व समाज से अफवाहों से दूर रहने व आपसी भाईचारा बनाए रखने की गुज़ारिश की, सोसायटी के उपाध्यक्ष

रिटायर्ड एएसपी मोहम्मद अयूब एवं मोहम्मद आरिफ खान "प्रिंसिपल" ने इस हमले को भारत की गंगा जमनी तहजीब पर हमला बताते हुए सरकार से देश के दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब देने की मांग की।

शोक सभा के इस अवसर पर रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर (आबकारी) नूर मोहम्मद खां, रिटायर्ड. प्रधानाध्यापक उस्मान गनी दिलावरखानी, इकरार खां लाडवाण, रिटायर्ड. प्राध्यापक गुलाम मोहियुद्दीन, लॉयन आबिद खान एलमान, मोहम्मद अली पठान, सद्दीक खां वरिष्ठ अध्यापक, रसीद खां मोयल रिटायर्ड प्रिंसिपल, हबीब खान, जाकिर खान के के,असलम खां एलमान, यूसुफ कबीरखानी, आवेश कुरैशी, उस्मान अंसारी, करामत अली खान, इमरान अहमद, आमिर अंसारी, सलीम दिलावर खानी, जाफर खान आदि समाज के प्रबुद्ध जनों ने कैंडल जलाकर दो मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर संवेदना प्रकट की।

गीष्मकालीन विशेष अभियान के तहत शीतल पेय पदार्थ पर खाद्य विभाग की कार्यवाही

पाली, (रॉयल पत्रिका)। प्रदेशभर में गीष्मकालीन विशेष अभियान में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत मिलावट खोरों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही को अंजाम देते हुये पाली खाद्य सुरक्षा विभाग ने मैंगो ज्यूस जीरा रेड चिली ज्यूस पर कालू कॉलोनी स्थित अनामिका गृह उद्योग पर कार्यवाही की। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण एच गुईटे के निर्देशन में मिलावट पर वार करते हुये खाद्य सुरक्षा टीम ने कालू कॉलोनी स्थित पर कार्यवाही कर 04 ज्यूस के नमूने लेकर जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भिजवाये गये। अभिहीत अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.विकास मारवाल ने बताया की

कार्बोडेट वॉटर यूनिट से जीरा मैंगो सॉफ्ट ड्रिंक के नमूने लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेशचन्द्र शर्मा एवं दिलीप सिहं यादव मय टीम द्वारा कार्यवाही की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। मौके पर रखी कार्बोनेट वॉटर की अलग अलग फ्लेवर की 6164 लीटर बोतलो को जब्त कर जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक बिक्री नहीं करने के निर्देश दिये गये। गीष्मकालीन विशेष अभियान 05 मई तक जारी रहेगा। कारवाई में खाद्य सुरक्षा विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप सिहं यादव, सुरेशचन्द्र शर्मा, कंप्यूटर ऑपरेटर ओम प्रकाश प्रजापत मौजूद रहे।

मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान ने ली जोधपुर की मस्जिदों के पेश इमामों की बैठक

-देश में अमन चैन की दुआओं के साथ आतंकी हमले की कड़ी निंदा की

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका) । आध्यात्मिक इस्लामी संस्थान दारूल उलूम इस्हाकिया मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान मुफ्ती शेर मोहम्मद रिजवी की सरपरस्ती में जोधपुर की मस्जिदों के पेश इमामों की बैठक में पूरे सूबा-ए-राजस्थान के मुस्लिम अवाम की तरफ से देश में अमन चैन की दुआओं के साथ जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की।

प्रवक्ता शौकत अली लोहिया ने बताया कि मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में शिकार हुए निर्दोष पर्यटकों के लिए मुस्लिम अवाम की तरफ से जोधपुर की मस्जिदों के पेश इमामों की मौजूदगी में आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सभी मस्जिदों के पेश इमाम अपनी तकरीर में कौम के बुजुर्गों व नौजवानों में बेदारी पैदा कर वर्तमान समय में रातों में देर रात तक चाय व खाने-पीने की होटलों पर अपना समय नहीं बिताएं, बल्कि अपने परिवार व बच्चों के साथ समय दें और उनकी तालीमी बेदारी को बढ़ाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं। कौम के बच्चों में दीनी व दुनियावी तालीमी की जागरुकता पैदा करें। मुफ्ती-ए-आजम राजस्थान व शहर खतीब व पेश इमाम काजी मोहम्मद तैयब अंसारी ने बैठक में कौम के सभी लोगों से अपील की कि हमें हर राष्ट्र व धर्म के झण्डे के साथ उनकी भावनाओं का पूरा मान-सम्मान करें और हर समय एक-दूसरे के साथ खड़े रहें।

मौलाना बरकत अली अशरफी ने बताया कि अल्लाह की बारगाह में देश में अमन-शांति व आपसी सौहार्द की दुआएँ करते हुए शहीद हुए लोगों के घर वालों के लिए सब्र और शहीदों को मुस्लिम अवाम की तरफ से मुफ्ती मोहम्मद आलमगीर, कारी मोहम्मद इकराम, हाफिज शाह मोहम्मद, मौलाना मेहरुद्दीन, मौलाना आरिफ बंबा बड़ी मस्जिद, मौलाना मसीउज्जमा, मौलाना मोहम्मद इकराम, मौलाना अली मोहम्मद, मौलाना यार मोहम्मद, मौलाना रहमत उल्लाह, मौलाना मंजूर, मौलाना अब्दुल शकूर, मौलाना जुबेर, मौलाना मोहम्मद हुसैन अशरफी, हाफिज जावेद, मौलाना अली हसन, मौलाना नफीस, हाफिज मोहम्मद उबेद, मौलाना अलीमुद्दीन, मौलाना मोहम्मद अमीन, मौलाना मोहम्मद मदनी, मौलाना हुसैन, मौलाना जफीरूद्दीन, मौलाना नूरुल हसन, हाफिज अब्दुल रहीम, मौलाना अब्दुल रहीम चौपासनी, मौलाना गुलाम मुस्तफा, कारी अत्ताउल्लाह रहमान, कारी जलालुद्दीन, मौलाना मोहम्मद इमरान उदय मंदिर, मौलाना जाकिर, मौलाना इदरीस रजा, मौलाना रजब अली व मौलाना रईसुल हसन ने खिराजे अकीदत पेश की।

नशा मुक्ति अभियान को लेकर इंसानियत एकता सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर भाईजी चौक स्थित राणाजी के नोहरे में इंसानियत एकता सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति उपाध्यक्ष महमूद अली राणा ने की। बैठक में समिति के पांचवें स्थापना दिवस के मौके पर चूरू शहर में एक दिवसीय नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर समिति संस्थापक करामत खान ने बताया कि अभियान का उद्देश्य नौजवानों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है। समिति मीडिया प्रभारी मोहम्मद अली पठान ने अपने विचार व्यक्त करते कहा कि

वर्तमान समय में दिन-ब-दिन नौजवानों में नशे की लत बढ़ती जा रही है, यह एक बहुत ही चिंता का विषय है। जाकिर खान के.के. ने बताया कि अभियान के तहत शहर में जगह-जगह लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया जाएगा। बैठक में समिति संयोजक नौशाद खान, वरिष्ठ सदस्य अयूब खान चायल, अध्यापक आवेश कुरैशी, सुलेमान मनिहार, महबूब खान, मोहम्मद अली राणा, इलियास राणा,फारूक चौहान आदि मौजूद रहे।

सांचौर जिला बहाली को लेकर 130 दिनों से धरना जारी

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। सांचौर जिले को बहाल करने की मांग को लेकर जिला बचाओं संघर्ष समिति के तत्वावधान में अतिरिक्त जिला कलेक्टर कार्यालय के समक्ष पूर्व राज्यमंत्री सुखराम विश्नोई के नेतृत्व में धरना स्थल पर पहुंच धरने को समर्थन दिया। प्रतिदिन अलग अलग ग्राम पंचायत के ग्रामीण शामिल हो रहे है। वहीं ग्रामीणों ने मांगो को लेकर अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई ने कहा कि सरकार समझ ले जो सांचौर जिले को निरस्त किया है जिसको नियमानुसार बहाल कर दे, सांचौर जिला जो जालौर जिले से 145 किमी दूर व अंतिम गांव आकोडिया रणखार-करीब 250 किमी दूर हैं। धरने को संबोधित करते अधिवक्ता भीमाराम चौधरी ने कहा कि सरकार ने किस आधार

पर सांचौर जिले को निरस्त किया, यह अब तक स्पष्ट नहीं है जिला बनने से जिला मुख्यालय नजदीक होने पर आमजन के लोगों के सभी जिले स्तर के कार्य जल्द होते थे, वर्तमान सरकार आमजन का त्वरित कार्य नहीं करना चाह रही है। सेवानिवृत अध्यापक केशाराम मेहरा धमाणा, विजयपाल चारण सरपंच सेसावा, राजुराम उपसरपंच सेसावा, जगदीश कुराडा सेसावा, विरधाराम लेगा सेसावा, केसरीमल जाट, प्रागाराम चौधरी, रणछोड़ाराम, हरचंद राम देवासी ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार सांचौर की जनता के साथ भेदभाव रवैया अपना रही है। जिला सही मापदण्ड अनुसार था। किन मापदण्ड़ो के आधार पर निरस्त किया यह सांचौर की जनता के साथ अन्याय किया है। इस दौरान ग्रामीणों का जन सैलाब मौजूद था।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी में पहलगाम के शहीदों को दी श्रृद्धांजलि

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। जम्मु कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में मंगलवार 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में शहीद 26 भारतीयों की आत्मा की शांति और उनके परिवार को सम्बल प्रदान करने के लिए बुझावड स्थित मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने बताया कि पहलगाम हमले जैसी घटनाएं घोर निंदा के लायक है। हम मांग करते है कि इन घटनाओं के दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएं ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो। यूनिवर्सिटी प्रेसिडेन्ट डॉ. जीमल काज़मी ने कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता है। हम हर तरह के आतंकवाद का घोर विरोध करते है और हमले के शहीदों की आत्मा की शांति के लिए उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश करते है, साथ ही दुआ करते है कि इस मुश्किल

घड़ी में अल्लाह इनके परिवारजनों और रिश्तेदारों को हौंसला प्रदान करें। यूनिवर्सिटी के वाणिज्य संकाय के एसोसियेट प्रोफेसर डॉ. अब्दुल्लाह खालिद ने कहा कि इस्लाम में एक बेकसूर की हत्या करना, सारी इंसानियत की हत्या करना है और एक बेकसूर की जान बचाना, सारी इंसानियत की जान बचाना है। इस मौके पर दो मिनट का मौन रखकर, शहीदों को श्रृद्धांजलि (खिराज-ए-अक़ीदत) पेश की गई। शोक सभा के इस श्रृद्धांजलि कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के डीन एकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान, डीन डॉ. समीना, डॉ. निरंजन बोहरा, डॉ. इनाम इलाही, डॉ. दीपक भंडारी, असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. साबरा कुरैशी, डॉ. मरजीना, डॉ. सीमा परवीन खान, डॉ. डिम्पल प्रजापत, डॉ. रईस, डॉ. अमित माथुर, डॉ. रूचिका, डॉ. मीना राव, जीशान अली, भावेश गांधी, तौसिफ खान, सलमान खान, आसिफ खान, राजूराम, भूपेन्द्र सहित यूनिवर्सिटी के कई स्टाफ एवं स्टूडेन्ट मौजूद थे।

मेडिकल कॉलेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय के तत्वावधान में विभिन्न संगठनों ने निकाली केंडल मार्च

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जम्मु कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने पर्यटकों की निर्मम हत्या करने के विरोध में पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेडिकल कॉलेज व राजकीय डी.बी. अस्पताल प्रशासन की ओर से मेडिकल कॉलेज से राजकीय भरतीया अस्पताल तक प्राचार्य डॉ. एम एम पुकार के नेतृत्व में केंडल मार्च निकालकर मृतकों को श्रद्धांजली अर्पित की। केन्डल मार्च में भाजपा जिला अध्यक्ष बसंत शर्मा मौजूद रहे। इन्होंने प्रधानमंत्री से अपील करते हुए आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा देने का निवेदन करते हुए मृतकों को श्रद्धांजली अर्पित की।प्राचार्य डॉ. एम एम पुकार ने कहा कि आतंकवादियों के इस कायराना हरकत से पुरे

देश में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। हम माननीय प्रधानमंत्री से यही अपील करते है कि उन आतंकवादियों को कठोर से कठोर सजा दी जाये।

इस अवसर पर आरएमसीटीए, एनएमओ, आईएमए, चिकित्सा अम्बेडकर संघ, आर्यवर्त हिन्द युवा सेना, राजकीय नर्सिंग कॉलेज, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन, एक्टिव नर्सेज एवं पैरामेडिकल ग्रुप सहित विभिन्न संगठनो ने केंडल मार्च निकालकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी गई। इस अवसर पर सैकड़ो की तादात में मेडिकल कॉलेज एवं सम्बद्ध चिकित्सालय के चिकित्सक शिक्षक, नर्सिंग अधिकारी, कर्मचारी, एमबीबीएस एवं नर्सिंग कॉलेज विद्यार्थी तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं राजकीय नर्सिंग कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं कार्मिक शामिल हुए।

जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी : सुराणा

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वीसी के जरिए दिए निर्देश, एसपी जय यादव, सीईओ श्वेता कोचर, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया सहित अधिकारी रहे मौजूद, अभय कमांड का किया निरीक्षण, एसपी यादव ने कहा - सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ टिप्पणी, अफवाहों या संदिग्ध पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई करें। जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर वीसी के जरिए उपखंड अधिकारियों, तहसीलदार व पुलिस अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए। जिला कलक्टर सुराणा ने कहा कि जिले में शांति और सौहार्द बनाए रखना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि वे अपने क्षेत्रों में कानून व्यवस्था की स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए रखें और किसी भी असामाजिक गतिविधि की जानकारी मिलने पर तुरंत कार्रवाई करें। उन्होंने सभी उपखंडों की कानून, सुरक्षा एवं शान्ति व्यवस्था के संबंध में जानकारी लेते हुए समुचित निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देश - प्रदेश में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की सुनिश्चितता के लिए हम सभी मुस्तैद रहें और क्षेत्र की समस्त गतिविधियों पर निगरानी रखें। सुराणा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क दृष्टि बनाए रखें, संवेदनशील इलाकों में नियमित गश्त सुनिश्चित करें और किसी भी अवांछित घटना को रोकने हेतु त्वरित कार्रवाई करें। उन्होंने

कहा कि "चूरू जिले की जनता की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।"उन्होंने कहा कि मुख्य बाजार, पर्यटन स्थलों, धार्मिक स्थलों, होटलों, धर्मशालाओं, बस स्टेण्ड, रेल्वे स्टेशन एवं संवेदनशील/ भीड़भाड़ वाले अन्य स्थानों पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सशस्त्र बलों के मूवमेन्ट व सुरक्षा बलों के ऑपरेशन्स की लाईव कवरेज न करने के सम्बन्ध में जारी मीडिया एडवाइजरी की पालना की जाए। उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाने, रूट मार्च व फ्लैग मार्च करने, सीएलजी की बैठक आयोजित करने और स्थानीय समुदायों से संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए।

एसपी जय यादव ने कहा कि जिले में शान्ति व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस अधिकारी मुस्तैद रहें। सीमावर्ती क्षेत्रों में पुलिस विशेष निगरानी रखें तथा सेंसेटिव स्थानों पर नियमित पुलिस जाब्ता तैनात रहे।

उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की तनाव की स्थिति होने पर त्वरित कार्यवाही करें तथा अवगत करवाएं। सोशल मीडिया पर भ्रामक और भड़काऊ टिप्पणी, अफवाहों, भड़काऊ या संदिग्ध पोस्ट करने वालों पर कार्रवाई करें। उन्होंने सभी पुलिस थानों को नियमित सीएलजी और शान्ति समितियों की बैठक लेकर संदिग्ध व्यक्तियों, स्थानों, भ्रामक और सांप्रदायिक तनाव भड़काने वाले व्यक्तियों की पहचान कर उन पर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए।इसके बाद जिला कलक्टर सुराणा व एसपी जय यादव ने अभय कमांड का निरीक्षण किया तथा व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने कहा कि सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारू रहें तथा किसी कैमरे के खराब होने की स्थिति में तुरंत दुरुस्त करवाएं।

इसी के साथ अन्य स्थानों पर आवश्यकता देखते हुए जनसहयोग से भी कैमरे आदि लगवाएं तथा गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखें। इस दौरान सीईओ श्वेता कोचर, चूरू एसडीएम साक्षी पुरी, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया, चूरू सदर थानाधिकारी बलवंत सिंह, कोतवाली थानाधिकारी सुरेंद्र, रतननगर थानाधिकारी रामकरण सहित जिले के समस्त उपखंडों से उपखंड अधिकारी व पुलिस अधिकारी वीसी के जरिए जुड़े रहे।

हिंदुस्तान जिंक द्वारा जंग के खिलाफ जिंक जागरुकता अभियान की शुरुआत

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व संक्षारण जागरूकता से पहले, भारत की एकमात्र और दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, ने जंग और इसके व्यापक प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए अपने अभियान जंग के खिलाफ जिंकके तहत कई प्रभावशाली पहल शुरू कीं। यह अभियान जंग के बारे में जागरूकता है, जो एक महत्वपूर्ण विषय है, जिसकी वजह से भारत को सालाना अपनी जीडीपी का लगभग 5 प्रतिशत नुकसान होता है, जो कि रोके जा सकने वाले नुकसान के रूप में 100 बिलियन डॉलर से अधिक है। जंग, एक प्राकृतिक लेकिन निरंतर प्रक्रिया है, जो नमी, ऑक्सीजन, प्रदूषकों और लवणों के कारण होने वाली रासायनिक और विद्युत रासायनिक प्रतिक्रियाओं के माध्यम से धातुओं को खराब करती है। इससे संरचनात्मक क्षति में तेजी आती है और बुनियादी ढांचे और वाहन बॉडी जैसी प्रमुख संपत्तियों को नुकसान होता है। जिंकगैल्वनाइजेशन कारगर, स्केलेबल समाधान है जो धातु के जीवन और प्रदर्शन को बढ़ाने वाले सुरक्षात्मक अवरोध का निर्माण कर ऐसे नुकसानों को रोकता है। अभियान के तहत् दुनिया के सबसे बड़े एकीकृत जिंकउत्पादक कंपनी ने सहित एक सप्ताह तक सोशल मीडिया आउटरीच, ऑन-ग्राउंड प्रदर्शन और एक राष्ट्रव्यापी उपभोक्ता सर्वेक्षण शुरू किया। कंपनी के प्रयासों का उद्देश्य गैल्वनाइज्ड स्टील के उपयोग को बढ़ावा देने की जानकारी से सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और निजी संपत्तियों के लिए दीर्घकालिक, लागत प्रभावी सुरक्षा को बढ़ावा देना है जो कि स्टेनलेस स्टील जैसी महंगी सामग्रियों का सस्ता और, अत्यधिक मजबूत विकल्प है। ऑटोमोटिव क्षेत्र में ग्राहकों की जागरूकता बढ़ाने के लिए, हिंदुस्तान जिंक ने 21 से 24 अप्रैल तक जिंक सिटी, उदयपुर के प्रमुख स्थानों पर लाइव प्रदर्शन किया, जो कि 2,500 से अधिक वर्षों से जिंक की विरासत वाला शहर है। प्रदर्शन के तहत् एक गैल्वेनाइज्ड और एक गैर-गैल्वेनाइज्ड दो दोपहिया वाहनों को एक को एक साथ रखा गया था। जिनमें स्पष्ट अंतर था, गैर-गैल्वेनाइज्ड दोपहिया वाहन में जंग दिखाई दे रहा था, जबकि गैल्वेनाइज्ड दोपहिया वाहन जिंक कोटिंग से सुरक्षित था। इस सार्वजनिक प्रयोग ने लोगो में जिज्ञासा प्रकट की, जिंक-स्मार्ट निर्णयों को बढ़ावा देने के लिए उस समय की प्रतिक्रियाएं कैप्चर की गईं। प्रदर्शन में युवाओं, व्यवसाय मालिकों और आम जनता को लक्षित किया गया था।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, हिन्दुस्तान जिंकलिमिटेड के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा कि जंग बुनियादी ढांचे और देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक गंभीर खतरा है। हिन्दुस्तान में, हम मानते हैं कि जागरूकता वास्तविक बदलाव की दिशा में पहला कदम है। जबकि निर्माताओं के लिए गैल्वनाइजेशन को अपनाना आवश्यक है, उपभोक्ता भी सही सवाल पूछकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं - खासकर जब बात घरों और वाहनों जैसे दीर्घकालिक निवेशों की हो। जंग के खिलाफ जिंकके माध्यम से, हम उद्योगों और व्यक्तियों को जिंक सुरक्षा के महत्वपूर्ण मूल्य के बारे में शिक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टीट्यूट में सोसायटी चूरू द्वारा पहलगाम के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टीट्यूट उस्मानाबाद कॉलोनी,में सर्व मुस्लिम समुदाय द्वारा गठित इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों की निर्मम हत्या करने के विरोध में शोक सभा का आयोजन किया। शोकसभा को संम्बोधित करते हुए सोसायटी के जिला अध्यक्ष शौक़त अली खां झारिया ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की, शोकाकुल परिवारों को यह गहरा सदमा सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए दुआएं की और साथ ही सरकार से कड़ी कार्यवाही करने की मांग की,सोसायटी के महासचिव डॉ एफ़ एच गौरी ने बताया कि इसी

क्रम में शहीद स्मारक, चूरू पर भी केंडल मार्च निकाल कर मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जायेगी। सोसायटी के उपाध्यक्ष मोहम्मद अयूब रिटा. ASP ने भारत की गंगा जमनी तहजीब पर हमला करने वाले, देश के दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब देने की मांग की, रिटा.डिप्टी कमिश्नर (आबकारी) नूर मोहम्मद खां ने सर्व समाज को अफवाहों से दूर रहने व भाईचारा बनाए रखने की अपील की,शोकसभा में समाज के प्रबुद्ध जन आरिफ खान प्रिंसिपल, हबीब खां, शौकत अली टाक,आबिद खान, हाकम अली खा, गुलाम मोहियुद्दीन अली, मो.अली पठान, सद्दीक खां मास्टर जी, आसिफ खा एन , उस्मान गनी दिलावरखानी, अरसद खान डायरेक्टर नव ज्ञान ज्योति सी सेकंडरी स्कूल, चूरू, अयूब खान गौड़, डायरेक्टर ग्लोबल स्कूल अब्दुल सत्तार मोयल आदि प्रबुद्ध जन उपस्थित रहे।

पाली के बांगड़ कॉलेज में है सुविधाओं का अभाव

पाली, (रॉयल पत्रिका) । जिले का बांगड़ कॉलेज जो 1961 में स्थापित हुआ था, आज 64 वर्ष हो चुका है । लेकिन कॉलेज में अभी तक पूर्ण रूप से शैक्षणिक विकास नहीं हुआ है । छात्र संघ उपाध्यक्ष असगर खत्री ने बताया कि इन 64 वर्षों में विषय सामग्री ना के बराबर विद्यार्थियों को उपलब्ध हुई है, जिसके कारण विद्यार्थियों को दूसरे शहर में जाकर शिक्षा हासिल करनी पड़ रही है । प्रतियोगिता परीक्षाओं के लिए पुस्तकालय में पुस्तक उपलब्ध नहीं हैं । जिसके कारण विद्यार्थियों को बाहर से शुल्क देकर पुस्तक लेनी पड़ती है । कॉलेज में विज्ञान संबंधी बोटैनिकल गार्डन भी उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल में काफी समस्या का सामना करना पड़ता है । इतने वर्षों में कॉलेज में शुद्ध जल की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है।

संघ लोक सेवा आयोग में अदीबा की सफलता, एक नई शुरुआत

-रिक्शा चालक की बेटी ने UPSC में हासिल की 142वीं रैंक

मुंबई। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) 2024 के परिणामों ने कई नए सितारे उगाए हैं, लेकिन उनमें से एक नाम पूरे महाराष्ट्र और मुस्लिम समुदाय के लिए गर्व का विषय बन गया है,अदीबा अनम अशफाक अहमद। एक साधारण रिक्शा चालक की बेटी अदीबा ने 142वीं रैंक हासिल कर इतिहास रच दिया। वे महाराष्ट्र से पहली मुस्लिम महिला बनने जा रही हैं, जो भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) का हिस्सा होंगी। अदीबा का जन्म और पालन-पोषण महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल यवतमाल जिले में हुआ। उनके पिता अशफाक अहमद पेशे से ऑटो-रिक्शा चालक हैं। दिलचस्प बात यह है कि वह रिक्शा भी उनका अपना नहीं है, बल्कि किराए पर चलाते हैं। परिवार एक किराए के छोटे से मकान में रहता है। आर्थिक चुनौतियों का सामना करते हुए अदीबा ने अपने सपनों को आकार दिया।

तालीम का सफर, छोटे गांव से राष्ट्रीय स्तर तक

अदीबा ने अपनी पढ़ाई जफरनगर के जिला परिषद उर्दू प्राथमिक विद्यालय से शुरू की, जहाँ उन्होंने कक्षा 1 से 7 तक पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने जिला परिषद पूर्व-सरकारी बालिका उच्च विद्यालय, यवतमाल से कक्षा 8 से 10वीं तक शिक्षा प्राप्त की। 11वीं और 12वीं कक्षा की पढ़ाई भी उन्होंने जिला परिषद पूर्व-सरकारी कॉलेज, यवतमाल से पूरी की। गणित में गहरी रुचि के चलते अदीबा ने पुणे के इनामदार सीनियर कॉलेज से बीएससी (गणित) की डिग्री हासिल की। यवतमाल जैसे छोटे जिले में सीमित संसाधनों के बीच अदीबा ने अपने सपनों को आकार दिया। चूंकि वहां उच्च स्तरीय कोचिंग सुविधाएं नहीं थीं, इसलिए उन्होंने पुणे में जाकर यूपीएससी फाउंडेशन कोर्स ज्वाइन किया। हालांकि आर्थिक समस्याएं उनके रास्ते में बार-बार आईं, फिर भी अदीबा ने हार नहीं मानी।। अदीबा ने पहले तीन प्रयासों में असफलता का सामना किया। लेकिन न तो उन्होंने हिम्मत हारी और न ही अपने लक्ष्य से भटकीं। अपने चौथे प्रयास में उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 142वीं रैंक हासिल कर ली। यह उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और अथक मेहनत का परिणाम है।

डॉक्टर बनने का सपना, आईएएस बनने का निर्णय

मीडिया से बातचीत में अदीबा ने कहा कि मेरा सपना डॉक्टर बनने का था, लेकिन संसाधनों की कमी के कारण मैं वह सपना पूरा नहीं कर सकी। इस वजह से काफी निराश हो गई थी। ऐसे कठिन समय में यवतमाल स्थित सेवा एनजीओ के सचिव निजामुद्दीन शेख ने उन्हें प्रेरित किया। उन्होंने अदीबा को समझाया कि एक आईएएस अधिकारी बनकर भी समाज और देश की सेवा की जा सकती है। यही वह मोड़ था जब अदीबा ने ठान लिया कि वह यूपीएससी परीक्षा देंगी। उन्होंने लगातार प्रयास किया और आखिरकार अपने परिवार और जिले का नाम रोशन किया। जब अदीबा के माता-पिता को उनकी सफलता की खबर मिली, तो उनकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए।उनकी मां ने कहा:"हमने हमेशा चाहा था कि हमारी बेटी कुछ बड़ा करे। आज उसका सपना भी पूरा हुआ और हमारा भी। उनके पिता अशफाक अहमद ने गर्व से कहा कि मेरी बेटी ने यह साबित कर दिया कि गरीबी कोई बाधा नहीं है, अगर संकल्प मजबूत हो तो।

अदीबा की उपलब्धि पर कई सामाजिक संगठनों ने उन्हें बधाई दी।। कहा कि उनकी सफलता अन्य लड़कियों के लिए प्रेरणा बनेगी। यवतमाल जिले में भी जश्न का माहौल है। स्थानीय लोगों ने इसे पूरे जिले के लिए गौरव का क्षण बताया है। अदीबा अनम अशफाक अहमद की कहानी उस भारत की तस्वीर पेश करती है, जहां सीमित साधनों और कठिनाइयों के बावजूद प्रतिभा और मेहनत के बल पर कोई भी ऊंचाइयों को छू सकता है। वह आज हजारों युवाओं, खासकर मुस्लिम लड़कियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि अगर हौसले बुलंद हों और मंजिल को पाने की सच्ची लगन हो, तो कोई भी सपना साकार किया जा सकता है।

अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के विस्तार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति :मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

-मुख्यमंत्री ने ली नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हवाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार ने दूरगामी निर्णय लिए हैं। इससे पर्यटन, शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिलेगी। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध करने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट हत्वपूर्ण साबित होगा।

इस एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार एवं भारतीय विमानपत्तन धिकरण के मध्य एमओयू हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ईएचवी लाइन शिफ्टिंग और आरआरवीपीएनएल की लाइन शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाएं।

विरासत और आधुनिक सुविधाओं का संगम होगा जयपुर स्टेट टर्मिनल

मुख्यमंत्री ने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर बनने जा रहे स्टेट टर्मिनल पर विश्व स्तरीय सुविधाएं विकसित की जाएं। इसमें ग्रीन एरिया, पार्किंग, मीटिंग हॉल आदि के संबंध में विशेष योजना बनाकर कार्य किया जाए ताकि आगंतुकों को श्रेष्ठ सुविधाएं एवं सेवाएं सुनिश्चित हो सकें। उन्होंने कहा कि टर्मिनल की बिल्डिंग के स्थापत्य में जयपुर की विरासत की झलक मिले और आधुनिक सुविधाएं भी विकसित हो। भविष्य में आगंतुकों की संख्या एवं हवाई सेवाओं के अनुरूप टर्मिनल का निर्माण किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि टर्मिनल के निर्माण के लिए 12 हजार 778 वर्ग मीटर भूमि का आवंटन हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में हवाई पट्टियों के उन्नयन और मरम्मत कार्य के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने उदयपुर हवाई अड्डे के विस्तार एवं उत्तरलाई हवाई पट्टी पर सिविल एन्क्लेव और अप्रोच रोड के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल की क्षमता 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख यात्री प्रतिवर्ष की जा रही है।शर्मा ने प्रदेश में हवाई पट्टियों के उन्नयन और विस्तार की समीक्षा की। उन्होंने झुंझुनूं, आबू रोड़ और डूंगरपुर हवाई पट्टी के विस्तार व प्रतापगढ़ और हमीरगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (एफटीओ) के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने हरियाणा से सालासर और खाटूश्यामजी के लिए हवाई सुविधा और एयर एंबुलेंस सुविधा के विस्तार के संबंध में विस्तृत चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एयर एंबुलेंस की सुविधा से दूरस्थ स्थानों के लिए आपातकालीन चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी जिससे आमजन को राहत मिलेगी। शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान नागरिक उड्डयन क्षेत्र में हुए एमओयू पर हुई प्रगति की समीक्षा की। बैठक में नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक, मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

हज यात्रा को आसान बनाएगा नया 'हज सुविधा ऐप', सेहत पर भी रखेगा नजर

नई दिल्ली। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने हज 2025 के सभी यात्रियों से अपील की है कि वे सरकार के अल्पसंख्यक मंत्रालय द्वारा तैयार किए गए नए "हज सुविधा ऐप 2.0" को तुरंत अपने मोबाइल में डाउनलोड करें और उसके इस्तेमाल की प्रक्रिया को अच्छे से समझें। कमेटी ने बताया कि इस ऐप में हज यात्रा के दौरान यात्रियों के लिए कई जरूरी सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई हैं, जिनसे सफर के दौरान काफी सहूलियत मिलेगी। "हज सुविधा ऐप" का मकसद हाजियों की यात्रा को आसान और व्यवस्थित बनाना है। कमेटी के अनुसार, "हज सुविधा ऐप" यात्रियों को सफर के दौरान और हज के कामों में मदद करेगा। इसके जरिए यात्रियों को फ्लाइट की जानकारी, वीजा स्टेटस, शिकायत करने की सुविधा, जरूरी सूचना, अस्पताल और हज कमेटी ने कहा कि इस ऐप से हज यात्रियों को सफर के दौरान व हज के कामों में बहुत मदद मिलेगी। दवाइयों तक पहुँच, जीपीएस के जरिए रास्ता ढूँढ ने, नमाज़ के टाइम और किबला दिशा जानने, हज-उमरा के तरीकों की जानकारी और सामान का पता लगाने जैसी सहूलियतें मिलेंगी।

साथ ही, इसमें एक चैटबॉट भी है जो सवालों के तुरंत जवाब देगा। नए वर्जन की सबसे खास बात यह है कि इसमें 'पैडोमीटर' (कदम गिनने वाला फीचर) शामिल किया गया है, जो यात्रियों को अपनी सेहत पर नज़र रखने में मदद करेगा। चूंकि हज के दौरान लंबी दूरी तक पैदल चलना पड़ता है, ऐसे में यह सुविधा बेहद फायदेमंद साबित होगी। हज कमेटी ने यह भी ऐलान किया है कि हर राज्य से उन 10 यात्रियों को इनाम दिया जाएगा, जो 'हज सुविधा ऐप' का सबसे बेहतर तरीके से इस्तेमाल करेंगे। ऐप का मकसद यात्रियों की यात्रा को ज्यादा सुरक्षित, सुविधाजनक और व्यवस्थित बनाना है।

Principal
Alfiya
M. 8094535201

Director
Najmunnisa
M. 9667135201
Recognised by Raj. Govt.

SAFIYA PUBLIC SECONDARY SCHOOL
S.R. PUBLIC SCHOOL
SAFIYA ENGLISH SCHOOL

AIR COOLED CLASS ROOMS
CCTV CLASS ROOMS
SCHOOL ADMISSION OPEN
Nursery to Xth
English & Hindi

Facilities
- Library
- Indoor Games
- Outdoor Games
- Smart Classrooms
- Art & Craft
- Qualified & Trained Teachers
- Dance & Music Class
- Picnic & Educational Tour
- Computer Lab
- Doctor Check-up
- Free Extra Classes

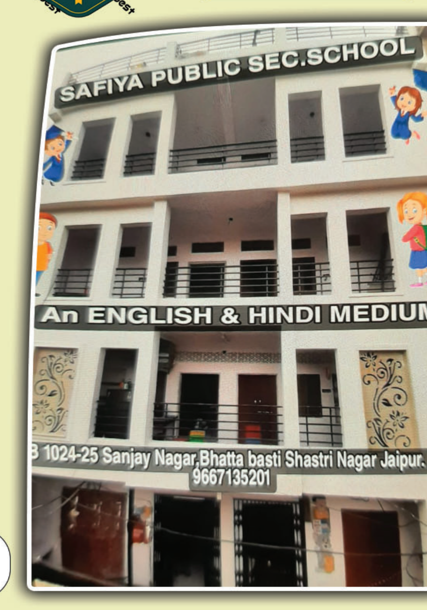

E-mail: safiyapublicssschool@gmail.com
Website: www.safiyapublicschool.com

- B-1024-25, Sanjay Nagar, Bhatta Basti Shastri Nagar, Jaipur
- I - 27, J P Colony, Shastri Nagar, Jaipur - 302016

एक मुश्त समाधान योजना (OTSS)- 2025 का 1 मई से शुरू होगा प्रथम चरण

-OTSS के तहत मिलेगी ऋणियों को राहत - अतिदेय ब्याज एवं शास्ति में मिलेगी शत प्रतिशत छूट- प्रबंध निदेशक, आरएमएफडीसीसी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के बजट 2025-26 की घोषणा के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड (आरएमएफडीसीसी) के ऋणियों को राहत प्रदान करने के लिए एक मुश्त समाधान योजना (One Time Settlement Scheme (OTSS) लागू की है। आरएमएफडीसीसी की प्रबंध निदेशक रजनी सी सिंह ने बताया कि इस योजना के दो चरण है तथा वर्तमान में योजना के प्रथम चरण की क्रियान्विति की जानी हैं।

रजनी सी सिंह ने बताया कि प्रथम चरण दिनांक 1 मई, 2025 से 30 सितम्बर, 2025 तक लागू रहेगा। इस चरण में दिनांक 31 मार्च, 2024 को ऋणियों में बकाया अतिदेय (Overdue) मूलधन का एक मुश्त चुकारा दिनांक 30 सितंबर, 2025 तक करने पर अतिदेय ब्याज एवं शास्ति (दण्डनीय ब्याज) में शत प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण दिनांक 01 अक्टूबर, 2025 से 31, दिसंबर, 2025 तक लागू रहेगा। परंतु इस चरण में दिनांक 31 मार्च, 2024 को ऋणियों में बकाया अतिदेय मूलधन एवं ब्याज एक मुश्त जमा कराने पर ऋणी की शास्ति (दण्डनीय ब्याज) में शत प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि राज्य स्तर पर योजना के क्रियान्वयन की मॉनिटरिंग निगम मुख्यालय द्वारा की जाएगी। इस योजना के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न होने पर या विवाद की स्थिति में प्रबंध निदेशक, राजस्थान अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास सहकारी निगम लि., जयपुर का निर्णय अंतिम होगा व सभी पक्षों को मान्य होगा।

एक मुश्त समाधान योजना की अधिक जानकारी के लिए संबंधित जिले के जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी से संपर्क किया जा सकता है।

राष्ट्रपति भवन में 2025 की पद्म अवॉर्ड सेरेमनी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में 2025 के लिए पद्म अवॉर्ड्स दिए। साल की पहली पद्म सेरेमनी में 71 हस्तियों को पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री से सम्मानित किया गया। कला के क्षेत्र में साउथ फिल्मों के एक्टर अजीत, डायरेक्टर शेखर कपूर को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। वहीं गजल गायक पंकज उधास को मरणोपरांत पद्म भूषण सम्मान दिया गया। अवॉर्ड उनकी पत्नी फरीदा ने लिया। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस से पहले 2025 के लिए 139 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया था। इनमें शारदा सिन्हा, ओसामु सुजुकी समेत 13 हस्तियां ऐसी हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं।

पहलगाम अटैक पर CM उमर अब्दुल्ला का भावुक संबोधन

जम्मू-कश्मीर (रॉयल पत्रिका)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में सोमवार को पहलगाम अटैक में मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- मेजबान होने के नाते मैं सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। इन लोगों के परिजन से मैं कैसे माफी मांगू। मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उमर ने कहा- जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा लोगों की चुनी हुई हुकूमत की जिम्मेदारी नहीं है, लेकिन CM और टूरिज्म मिनिस्टर होने के नाते मैंने इन्हें बुलाया था। मेजबान होने के नाते मेरी जिम्मेदारी थी कि इन्हें सुरक्षित भेंजू, नहीं भेज पाया। उमर ने कहा- उन बच्चों से क्या कहता, जिन्होंने अपने वालिद को खून में लिपटा हुआ देखा। उस नेवी अफसर की विधवा को क्या कहूं, जिन्हें शादी किए हुए ही चंद दिन हुए थे। कुछ लोगों ने पूछा कि क्या कसूर था हमारा। हम पहली बार कश्मीर आए थे छुट्टी मनाने के लिए। इस छुट्टी का जिंदगी भर खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

उमर अब्दुल्ला ने कहा- यकीन नहीं होता कि चंद दिन पहले हम इस सदन में थे और बजट पर कई अन्य मुद्दों पर बहस चली। सदन स्थगित होते होते हम यह उम्मीद कर रहे थे कि श्रीनगर में दोबारा मुलाकात होगी। किसने सोचा था कि जम्मू-कश्मीर में ऐसे हालात बनेंगे कि दोबारा यहां मिलना पड़ेगा।

CM अब्दुल्ला ने कहा कि स्पीकर साहब आपके आसपास वो लोग बैठे हैं, जिन्होंने खुद अपने रिश्तेदारों को कुर्बान होते देखा है। हम में से कितने ही हैं, जिन पर हमले हुए हैं। हम चाहते हैं कि इस सदन की तरफ से हमले की निंदा की जाए। मारे गए 26 परिवारों के साथ हम हमदर्दी जाहिर कर सकें।

गुरुग्राम में चलती गाड़ियों के बीच जानलेवा स्टंटबाजी

हरियाणा (रॉयल पत्रिका)। हरियाणा में दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे पर बॉर्डर के पास खतरनाक बाइक स्टंट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें एक युवक चलते ट्रैफिक के बीच बाइक पर खड़ा होकर चल रहा है। थोड़ा आगे जाने के बाद वह बाइक से गिर जाता है, और बाइक आगे चलती गाड़ी से टकरा जाती है।

मौके पर मौजूद लोगों ने इस स्टंट का वीडियो बनाया। उन्होंने ही बीच सड़क पर तेज दौड़ती गाड़ियों को बीच गिरे युवक को उठाया। बाइक से गिरने के बाद उसने 6 बार जमीन पर पलटा मारा था, लेकिन उसे इस दुर्घटना में चोट नहीं लगी। हैरानी की बात यह है कि दिन में किए गए इस स्टंट को रोकने के लिए वहां पुलिस ही मौजूद नहीं थी, और न ही पुलिस को इसकी जानकारी है। मौके पर मौजूद लोगों ने इस घटना को पब्लिक सेफ्टी के लिए खतरा बताया है। उनका कहना है कि रविवार के दिन बड़ी संख्या में दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम के बाइक राइडर्स राइडिंग के लिए पंचगांव जाते हैं। इस दौरान रोड पर इसी तरह के स्टंट देखने को मिलते हैं, जिनसे पब्लिक की जान खतरे में पड़ सकती है। ऐसे मौके पर पुलिस का मौजूद न होना, उनकी ड्यूटी पर सवाल उठाता है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री बोले- मिलिट्री एक्शन ले सकता है भारत

फाइल(रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखा। उन्होंने संसद के दोनों सदनों में विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। खड़गे ने कहा कि विशेष सत्र में पहलगाम आतंकी हमले पर चर्चा की जाए।

उधर, पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पहलगाम अटैक के बाद भारत कभी भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। उन्होंने एजेंसी रॉयटर्स से सोमवार रात कहा कि पाकिस्तानी सेना पूरी तरह तैयार है।

पाकिस्तान की ओर से लगातार सीजफायर वॉयलेशन किया जा रहा है। लगातार पांचवें दिन पाकिस्तानी सेना ने LoC पर फायरिंग की। भारत भी लगातार इसका जवाब दे रहा है।

22 अप्रैल की दोपहर हुए पहलगाम आतंकी हमले के 2 नए वीडियो सामने आए हैं। इस हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। पहले वीडियो में एक टूरिस्ट जिप लाइनिंग कर रहा है। इसी वीडियो में लोग फायरिंग के बीच जान बचाकर भागते नजर आ रहे हैं। दूसरे वीडियो में आतंकी टूरिस्टों को गोली मारते दिख रहे हैं और पर्यटक बचने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में पर्यटकों की भीड़ जुट रही है। भदरवाह टूरिस्ट स्पॉट पर पर्यटक लगातार आ रहे हैं। पर्यटकों ने कहा कि पहलगाम हमला आतंकवादियों की शर्मनाक हरकत है। उन्होंने मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। वो सोचते हैं कि हम कश्मीर में आना छोड़ देंगे। लेकिन कश्मीर हमारा है और हमारा रहेगा। हम यहां आते रहेंगे, हमें यहां सुरक्षित महसूस होता है। सेना यहां पर है और डरने की जरूरत नहीं। यहां के लोग अच्छे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहलगाम हमले पर चर्चा के लिए PM मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। उन्होंने मंगलवार को प्रधानमंत्री को लिखा लेटर X पर शेयर किया। 28 अप्रैल को लिखे लेटर में उन्होंने कहा, 'समय एकता और एकजुटता की जरूरत है। कांग्रेस चाहती है कि संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र जल्द से जल्द बुलाना चाहिए। यह 22 अप्रैल को निर्दोष नागरिकों पर पहलगाम में हुए क्रूर आतंकी हमले के खिलाफ हमारे संकल्प और इच्छाशक्ति का एक शक्तिशाली प्रदर्शन होगा।'

मध्य प्रदेश: राज्य में लॉन्ग टर्म वीजा वाले 8486 पाकिस्तानी हैं। जबलपुर में शॉर्ट टर्म वीजा वाले 3 बच्चे हैं। शॉर्ट टर्म वीजा वाले 3 हैं। इनमें 2 बच्चे और एक सिंधी व्यक्ति है। इंदौर में शॉर्ट टर्म वीजा वाले 8 पाकिस्तानी थे। इनमें से 4 माइनर हैं। 4 व्यस्क वापस लौटे हैं। सभी 9 माइनर (बच्चे) की मां हिंदू हैं। राज्य सरकार ने केंद्र को इन बच्चों की डिटेल भेजी है और एक्शन को लेकर मार्गदर्शन मांगा है।

गुजरात: राज्य में 1700 से अधिक बांग्लादेशियों को हिरासत में लिया गया है। 445 पाकिस्तानी रजिस्टर्ड हुए हैं। इनमें 7 डिपोर्ट किए गए हैं। 291 बांग्लादेशियों को वापस भेजने की तैयारी है।

दिल्ली: इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) ने दिल्ली में 5 हजार पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की है। इनकी लिस्ट दिल्ली पुलिस को सौंपी है। UNHCR के मुताबिक दिसंबर 2024 तक भारत में लगभग 22,500 रोहिंग्या शरणार्थी UNHCR के साथ रजिस्टर्ड थे। इनमें से ज्यादातर दिल्ली में रह रहे हैं।

कर्नाटक: राज्य में 92 पाकिस्तानी नागरिक हैं। इनमें से 87 लॉन्ग टर्म वीजा और 5 शॉर्ट टर्म वीजा पर हैं। सभी को देश छोड़ने का निर्देश दिया गया है।

उत्तर प्रदेश: सरकार ने आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया। सरकार के जारी में नोटिस में कहा गया है कि प्रदेश में मौजूद सभी पाकिस्तानी-बांग्लादेशी नागरिकों को निकाला गया है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,